website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 333 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 09 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी रविवार को देहरादून में रजत जयंती समारोह कार्यक्रम में होंगे शामिल

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार (9 नवंबर, 2025) को उत्तराखंड के स्थापना दिवस पर आयोजित रजत जयंती समारोह में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर पूरी तैयारी कर ली गई है।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, रविवार दोपहर लगभग 12:30 बजे पीएम मोदी देहरादून का दौरा करेंगे और उत्तराखंड राज्य के गठन की रजत जयंती समारोह में पीएम मोदी एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करेंगे। इस दौरान, वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ₹8140 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनमें ₹930 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और ₹7210 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। ये परियोजनाएं पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास सहित कई प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पीएम मोदी 28,000 से अधिक किसानों के लिए सीधे उनके बैंक खातों में 62 करोड़ रुपये की सहायता राशि भी जारी करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री द्वारा जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा उनमें अमृत (AMRUT) योजना के अंतर्गत 23 क्षेत्रों के लिए देहरादून जलापूर्ति कवरेज, पिथौरागढ़ जिले में विद्युत सबस्टेशन, सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र, नैनीताल के हल्द्वानी स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान आदि शामिल हैं। प्रधानमंत्री जल-क्षेत्र से जुड़ी दो प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे-सोंग बांध पेयजल परियोजना, जो देहरादून को 150 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) पेयजल उपलब्ध कराएगी और नैनीताल में जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना, जो पेयजल उपलब्ध कराएगी, सिंचाई और बिजली उत्पादन में सहायक होगी। आपको बता दें, जिन अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा, उनमें विद्युत सबस्टेशन, चंपावत में महिला खेल महाविद्यालय की स्थापना, नैनीताल में अत्याधुनिक डेयरी संयंत्र आदि शामिल हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि 9 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम को लेकर कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यक्रम के दौरान आमजन को यातायात एवं आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

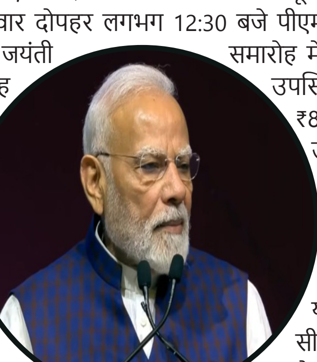

जी-20 सम्मेलन से ट्रंप का बहिष्कार:
बोले – दक्षिण अफ्रीका में श्वेत किसानों के साथ हो रहा भेदभाव

वॉशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 सम्मेलन का बहिष्कार करने की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का कोई भी प्रतिनिधि इस सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि दक्षिण अफ्रीका में श्वेत किसानों के साथ भेदभाव और अत्याचार किए जा रहे हैं, इसलिए वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि "जी-20 सम्मेलन का दक्षिण अफ्रीका में होना अपमानजनक है। मैं इस बैठक में नहीं जाऊंगा और अमेरिका का प्रतिनिधित्व भी नहीं करूंगा।" उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में शामिल होने का अधिकार ही नहीं होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि उनकी जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस दक्षिण अफ्रीका जा सकते हैं। ट्रंप ने बुधवार को मियामी में आयोजित 'अमेरिका बिजनेस फोरम' में कहा, "दक्षिण अफ्रीका में जो कुछ हो रहा है, वह बहुत बुरा है। मैं वहां नहीं जा रहा हूं और न ही अपने देश का प्रतिनिधित्व वहां करूंगा।" उनके इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

बहस छिड़ गई है, क्योंकि यह पहली बार है जब किसी शीर्ष अमेरिकी नेता ने जी-20 जैसे वैश्विक सम्मेलन का सार्वजनिक रूप से बहिष्कार किया है।

दक्षिण अफ्रीका पहली बार करेगा जी-20 की मेजबानी:-

दक्षिण अफ्रीका ने 1 दिसंबर 2024 को एक वर्ष के लिए जी-20 की अध्यक्षता संभाली थी और 22-23 नवंबर 2025 को जोहानिसबर्ग में इस सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह पहली बार होगा जब अफ्रीका की धरती पर जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इससे पहले भारत ने सितंबर 2023 में नई दिल्ली में 18वें जी-20 सम्मेलन की मेजबानी की थी। भारत के सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, रूस, जापान, ऑस्ट्रेलिया और सऊदी अरब समेत 20 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

दक्षिण अफ्रीका पर ट्रंप के तीखे हमले:-

ट्रंप ने न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी की भी आलोचना की और कहा कि "मियामी उन पीढ़ियों का घर रहा है जो दक्षिण अफ्रीका के कम्युनिस्ट अत्याचार से भागकर यहां आए।" उन्होंने कहा कि "आज दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों में शासन व्यवस्था खतरनाक दिशा में जा रही है।" ट्रंप का यह बयान न सिर्फ अमेरिका की विदेश नीति पर सवाल उठाता है, बल्कि जी-20 जैसे वैश्विक मंच पर अमेरिकी भूमिका और एकजुटता की धारणा को भी चुनौती देता है।

अब्राहम समझौते के तहत कजाकिस्तान और इजरायल के बीच नए संबंधों की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि मध्य एशियाई मुस्लिम देश कजाकिस्तान अब अब्राहम समझौते (Abraham Accords) में शामिल होने जा रहा है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान इस ऐतिहासिक शांति समझौते में शामिल होने वाला कजाकिस्तान पहला देश बन गया है। यह फैसला वैश्विक कूटनीति के स्तर पर एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो इजरायल और मुस्लिम देशों के बीच नए रिश्तों की शुरुआत का संकेत देता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जानकारी देते हुए कहा, "मैंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कसीम-जोमार्ट तोकायेव से शानदार बातचीत की। कजाकिस्तान मेरे दूसरे कार्यकाल का पहला देश है जो अब्राहम समझौते में शामिल हुआ है।" ट्रंप ने इस समझौते को "दुनियाभर में शांति और समृद्धि की दिशा में एक सेतु" बताया। उन्होंने कहा कि कई अन्य देश भी इस शक्ति समूह में शामिल होने के लिए तैयार हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर स्थिरता और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जल्द ही इस समझौते को आधिकारिक रूप से मान्यता देने के लिए एक हस्ताक्षर समारोह आयोजित किया जाएगा।

अब्राहम समझौते की पृष्ठभूमि

अब्राहम समझौते की शुरुआत वर्ष 2020 में राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान हुई थी। इस समझौते के तहत इजरायल और कई अरब देशों के बीच औपचारिक संबंध स्थापित किए गए थे। इसका नाम "अब्राहम" इसलिए रखा गया क्योंकि यहूदी, ईसाई और इस्लाम तीनों धर्मों में अब्राहम (इब्राहीम) को एक प्रमुख पैगंबर के रूप में माना जाता है। शुरुआत में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इस समझौते के तहत इजरायल के साथ संबंध स्थापित किए थे। इसके बाद बहरीन, मोरक्को और सूडान भी इसमें शामिल हुए। इन देशों ने न केवल इजरायल में अपने दूतावास खोले बल्कि व्यापार, पर्यटन और तकनीकी सहयोग के रास्ते भी खोले। हालांकि फिलिस्तीन को लेकर इजरायल और मुस्लिम देशों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ है। गाज़ा में चल रहे युद्ध और मानवीय संकट ने इस समझौते की रफ्तार कुछ धीमी कर दी थी। लेकिन ट्रंप के नए कार्यकाल में इसे दोबारा गति मिलने की उम्मीद है।

कजाकिस्तान का महत्व

कजाकिस्तान की लगभग 70% आबादी मुस्लिम है, फिर भी इस देश के इजरायल के साथ संबंध हमेशा से सकारात्मक रहे हैं। दोनों देशों के बीच कृषि, तकनीकी सहयोग और सुरक्षा मामलों में पहले से ही संवाद चलता रहा है। अब्राहम समझौते में शामिल होने के बाद इन संबंधों के और मजबूत होने की संभावना है। ट्रंप ने कहा कि यह कदम "वास्तविक प्रगति और स्थिरता" की दिशा में आगे बढ़ने का प्रतीक है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अमेरिका आने वाले समय में और भी मुस्लिम देशों को इस शांति प्रक्रिया से जोड़ने के प्रयास करेगा। अब्राहम समझौते में कजाकिस्तान की भागीदारी मध्य पूर्व और मध्य एशिया की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। यह कदम न केवल इजरायल और कजाकिस्तान के बीच राजनयिक रिश्तों को मजबूत करेगा, बल्कि अन्य मुस्लिम देशों के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण पेश करेगा। ट्रंप प्रशासन इसे वैश्विक शांति की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देख रहा है।

35 टन सोना बेचने की रिपोर्ट्स को RBI ने किया खारिज

- कहा- अफवाहों पर विश्वास न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआई ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर चल रही उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया है कि केंद्रीय बैंक ने

अपने भंडार से करीब 35 टन सोना बेच दिया है। इसके साथ ही, आरबीआई इन रिपोर्ट्स को केवल निराधार अफवाह बताया है और आधिकारिक जानकारी के लिए लोगों को वेरिफाइड सोर्स से जानकारी प्राप्त करने को कहा है। पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट द्वारा की गई एक्स पोस्ट में बताया गया कि केंद्रीय बैंक ने स्पष्टीकरण दिया है कि इस प्रकार की कोई बिक्री नहीं की गई है और जनता से अपील की कि केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। आरबीआई ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, "भारतीय रिजर्व बैंक ने पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट के माध्यम से उन दावों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि आरबीआई ने अपने भंडार से 35 टन सोना बेचा है। आरबीआई सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही निराधार अफवाहों के प्रति आगाह करता है। आरबीआई से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए कृपया आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।" यह स्पष्टीकरण सोने के बाजार में बढ़ती वैश्विक रुचि और अस्थिरता के बीच आया है, क्योंकि कई प्रमुख केंद्रीय बैंक अपनी सोने की खरीदारी में लगातार वृद्धि कर रहे हैं। उभरती अर्थव्यवस्थाएं, विशेष रूप से, अमेरिकी डॉलर से दूर जाने के लिए अपने सोने के भंडार में वृद्धि कर रही हैं। यह ट्रेंड 2022 में पश्चिमी देशों द्वारा रूस की रिजर्व एसेट्स को फ्रीज करने के बाद और तेज हो गया है। केंद्रीय बैंक की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 31 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह तक आरबीआई के बाद मौजूद गोल्ड रिसर्व की वैल्यू बढ़कर 101.72 अरब डॉलर हो गई है। वहीं, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड रिजर्व की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 15 प्रतिशत हो गई है, जो कि कई दशकों का उच्चतम स्तर है। बीते एक दशक में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड की हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है, जो कि पहले 7 प्रतिशत थी।

राजस्थान में 10°C तक गिरा पारा, दिल्ली में AQI 400 पार

नई दिल्ली/जयपुर । पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर भारत में सर्दी बढ़ गई है। राजस्थान में दो दिन में तापमान 10°C तक गिरा, नागौर सबसे ठंडा रहा जहां न्यूनतम पारा 6.7°C दर्ज हुआ। मध्य प्रदेश में भी ठिठुरन बढ़ी, भोपाल में 8.4°C और इंदौर में रात का तापमान औसत से नीचे रहा। दिल्ली में शनिवार को सुबह का तापमान 11°C और दिन का 28.6°C रिकॉर्ड किया गया, वहीं वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 400 के पार पहुंच गया। कई इलाकों जैसे अलीपुर, ITO, विवेक विहार और वजीरपुर में AQI 410 से ऊपर रहा, जिससे राजधानी 'रेड जोन' में पहुंच गई। उधर, बंगाल में भी अगले चार दिनों में तापमान 2°C से 4°C तक गिरने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ी इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा रहेगा।

जम्मू-कश्मीर: कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में घुसपैठ विफल, 'ऑपरेशन पिंपल' में 2 आतंकवादी ढेर

नई दिल्ली । भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। भारतीय सेना के जवानों ने ऑपरेशन 'पिंपल' के तहत दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। अब इलाके की तलाशी की जा रही है। चिनार कॉर्प्स के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से शनिवार सुबह 7:10 बजे पोस्ट कर 'ऑपरेशन पिंपल' की जानकारी दी गई। पोस्ट में बताया, "7 नवंबर को एजेंसियों से मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर संयुक्त अभियान शुरू किया गया। सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी, जिसके बाद आतंकवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। संपर्क स्थापित होने के बाद आतंकवादियों को घेर लिया गया और ऑपरेशन जारी रखा गया।" वहीं, सुबह 8:15 बजे एक अन्य अपडेट पोस्ट में बताया गया, "चल रहे अभियान में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है। इलाके की तलाशी जारी है।" सेना के अनुसार, यह ऑपरेशन 'पिंपल' पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से आने वाले आतंकवादियों की घुसपैठ को रोकने के लिए लॉन्च किया गया है। कुपवाड़ा जिला

एलओसी के करीब स्थित है और लंबे समय से घुसपैठ का हॉटस्पॉट रहा है। 2025 में अब तक कुपवाड़ा और बारामूला सेक्टरों में घुसपैठ की कई कोशिशें नाकाम की जा चुकी हैं। इससे पहले 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी कैंपों पर हमले किए थे, जिसके बाद सीमा पर तनाव बढ़ा हुआ है। इलाके में बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन चल रहा है। संभावित हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी की उम्मीद है। सर्दियों में बर्फबारी से पहले आतंकी संगठन घुसपैठियों को धकेलने की होड़ में हैं, लेकिन भारतीय सेना की खुफिया नेटवर्क और ड्रोन निगरानी ने इन्हें विफल कर दिया।

बिहार में दूसरे चरण के चुनाव प्रचार में सभी पार्टियों ने लगाया जोर, राजद के सबसे अधिक उम्मीदवार

बिहार। बिहार विधानसभा चुनाव में छह नवंबर को पहले चरण के तहत 121 सीटों के लिए मतदान हो चुका है। 11 नवंबर को 122 सीटों के लिए होने वाले दूसरे और अंतिम चरण के मतदान को लेकर सभी पार्टियों ने अब पूरा जोर लगाया है। इस चरण में राजद की प्रतिष्ठा दांव पर है, क्योंकि इस चरण के चुनाव में उसके सर्वाधिक उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे हैं। इस चुनाव में महागठबंधन के सबसे प्रमुख दल राजद के हिस्से 143 सीटें आई हैं। पहले चरण में इनके 73 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतदाता कर चुके हैं, जबकि दूसरे चरण में उसके 70 उम्मीदवारों का फैसला मतदाता करने वाले हैं। इसी तरह, दूसरे चरण में भाजपा के 53 उम्मीदवारों के भी भाग्य का फैसला होगा। पहले चरण में भाजपा के 48 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है। एनडीए के प्रमुख दल जदयू के भी 44 उम्मीदवारों की किस्मत भी दूसरे चरण में दांव पर लगी है, जबकि लोजपा (रामविलास) के भी 29 में से 15 उम्मीदवार चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के भी चार उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इस चरण के चुनाव में होना है। पहले चरण में इनके दो उम्मीदवार थे। इधर, महागठबंधन में शामिल कांग्रेस के भी 37 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होना है। पहले चरण में कांग्रेस के 24 उम्मीदवारों का फैसला हो चुका है। इसी तरह दूसरे चरण में शामिल विकासशील इंसान पार्टी के भी 10 उम्मीदवारों का फैसला भी इस चरण के चुनाव में होना है। उल्लेखनीय है कि दूसरे चरण के लिए नौ नवंबर को शाम चुनाव प्रचार थम जाएगा। इस चरण में 122 सीटों के लिए 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला होना है। पहले चरण में बंपर वोटिंग के बाद चुनाव आयोग को दूसरे चरण में अधिक से अधिक मतदान होने की उम्मीद है। मतगणना 14 नवंबर को होनी है।

काठमांडू एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी से ठप हवाई सेवाएं, 350 उड़ानें प्रभावित

-दिल्ली एयरपोर्ट पर भी एक दिन पहले आई थी ऐसी ही समस्या, 800 उड़ानें हुईं प्रभावित

काठमांडू । नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार शाम तकनीकी खराबी आने से हवाई सेवाएं ठप पड़ गईं। शाम करीब 5:30 बजे (स्थानीय समय) रनवे की लाइटिंग सिस्टम में खराबी आने के बाद सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रोक दी गईं। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार, इस गड़बड़ी से लगभग 350 उड़ानें प्रभावित हुईं, जिनमें करीब 250 घरेलू और 100 अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स शामिल हैं। एयरपोर्ट के प्रवक्ता रिजी शेरपा ने बताया कि रनवे की लाइटिंग सिस्टम में दिक्कत आने के बाद टेक्निकल टीमें मौके पर पहुंच गईं। "लाइटिंग सिस्टम को सुधारने का काम जारी है और उम्मीद है कि रात तक उड़ानें दोबारा शुरू कर दी जाएंगी," उन्होंने कहा। रनवे की लाइटिंग सिस्टम पायलटों को रात या कम विजिबिलिटी के दौरान लैंडिंग में मदद करती है, इसलिए इसकी खराबी के बाद उड़ानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सेवाएं अस्थायी रूप से रोकी गईं।

तीन अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं:-

खराबी की वजह से कुछ उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों पर डायवर्ट करना पड़ा। कतर एयरवेज की उड़ान ढाका, कोरियन एयर की उड़ान दिल्ली, और फ्लाई दुबई की उड़ान लखनऊ भेजी गई। वहीं, बुद्ध एयर की दो घरेलू उड़ानें नेपाल के अन्य एयरपोर्ट्स पर डायवर्ट की गईं। एयरपोर्ट

अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और सभी तकनीकी विशेषज्ञ रनवे की लाइटिंग को जल्द दुरुस्त करने में जुटे हैं। यात्रियों को एयरलाइंस द्वारा लगातार अपडेट दिए जा रहे हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर भी आई थी तकनीकी समस्या:-

गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले ही भारत के दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी ऐसी तकनीकी दिक्कत आई थी, जिसके कारण 800 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुई थीं। दिल्ली एयरपोर्ट पर ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम (AMSS) में समस्या आई थी, जो उड़ानों की लोकेशन, टाइमिंग और अन्य जरूरी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल और एयरलाइंस तक पहुंचाने का काम करता है। हालांकि, दिल्ली में यह खराबी लगभग 15 घंटे बाद ठीक कर ली गई थी।

क्यों खास है त्रिभुवन एयरपोर्ट:-

नेपाल का त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का सबसे पुराना और मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। इसकी स्थापना 1955 में हुई थी, जब काठमांडू से कोलकाता के लिए पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू हुई। 2022 तक यह नेपाल का एकमात्र अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट था। यह देश की पर्यटन अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, क्योंकि माउंट एवरेस्ट और हिमालय पर्यटन के लिए आने वाले ज़्यादातर विदेशी यात्री इसी एयरपोर्ट से प्रवेश करते हैं। यह एयरपोर्ट हर साल लाखों यात्रियों को संभालता है और नेपाल के व्यापारिक, सरकारी तथा राजनयिक दौरों का प्रमुख केंद्र है। शनिवार की घटना ने हालांकि नेपाल के एविएशन सेक्टर की तकनीकी तैयारी पर सवाल खड़े किए हैं। एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं ताकि उड़ान संचालन सामान्य स्थिति में लौट सके। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी उड़ानों की जानकारी एयरलाइन की वेबसाइट या कस्टमर सर्विस से प्राप्त करें।

तूफान मेलिसा ने कैरेबियाई क्षेत्र में कम से कम 75 लोगों की जान ली, करीब 50 लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। तूफान मेलिसा के कारण क्यूबा, हैती और जमैका में अब तक लगभग 75 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। तूफान को आए एक सप्ताह हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि इस तूफान से 7 लाख 70 हजार से अधिक लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हुए हैं और हजारों घरों, स्कूलों और अस्पतालों को नुकसान पहुंचा है। संयुक्त राष्ट्र और उसकी अलग-अलग संस्थाएं इन देशों की सरकारों की मदद कर रही हैं। जमैका में राहत कार्यों को मजबूत करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता टीम ने अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात किया है। क्यूबा में खाद्य और कृषि संगठन किसानों को उपकरण, मवेशियों का चारा और मछली पकड़ने का सामान दे रहा है ताकि उनके काम फिर से शुरू हो सकें। वहीं विश्व खाद्य कार्यक्रम ने पूर्वी प्रांतों में मोबाइल गोदाम, लाइटिंग टावर और टेंट तैनात किए हैं। हक के अनुसार, विभिन्न संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां पूरे क्षेत्र में महत्वपूर्ण मानवीय सहायता प्रदान करने में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा पर ध्यान दे रहा है। वह स्वास्थ्य किट बांटने और लैंगिक हिंसा से बचाव व सहायता के लिए स्थानीय संगठनों के

साथ मिलकर काम कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम छत बनाने की सामग्री, औज़ार और बिजली के लिए जेनरेटर दे रहा है, ताकि लोग अपने घर और ढाँचे फिर से खड़े कर सकें। इसके साथ ही, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष 16 हजार लोगों को रोजाना साफ पानी उपलब्ध कराने के लिए पानी संग्रह और शोधन सामग्री पहुंचा रहा है, जिससे बीमारियों को रोका जा सके और प्रभावित परिवारों की जीवन स्थितियां सुधर सकें। वैज्ञानिकों का मानना है कि मेलिसा जैसे तूफान की भयावहता और जलवायु संकट एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। अध्ययन के अनुसार, भयानक तीव्रता वाले तूफान अब जलवायु परिवर्तन के कारण पहले की तुलना में पांच गुना अधिक आ रहे हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

जोहरान ममदानी की जीत: न्यूयॉर्क से उठी न्याय और समानता की नई आवाज़

जोहरान ममदानी की जीत सिर्फ न्यूयॉर्क शहर की राजनीति का एक अध्याय नहीं, बल्कि यह उस दौर का प्रतीक है जब पूंजीवादी विकास के बीच इंसानियत, समानता और न्याय की आवाज़ फिर से उठ खड़ी हुई है। न्यूयॉर्क—जिसे दुनिया पूंजीवाद की राजधानी कहती है—वहां एक भारतीय-अफ्रीकी मूल के युवा समाजवादी नेता का मेयर बनना अपने आप में एक ऐतिहासिक घटना है। यह चुनाव परिणाम न केवल अमरीकी राजनीति के स्वरूप को झकझोरता है, बल्कि वैश्विक राजनीति के लिए भी एक बहुआयामी संदेश लेकर आया है। आज जब अमरीका में रिपब्लिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नीतियों को चरम पूंजीवादी सोच का प्रतीक माना जा रहा है, तब ममदानी की जीत इस व्यवस्था के भीतर से उठी एक नई चेतावनी के रूप में देखी जा रही है। ट्रंप का शासनकाल पूंजी और सत्ता के गठजोड़ का वह दौर है जिसमें राष्ट्रीय नीतियाँ निजी व्यावसायिक हितों की पूर्ति के साधन बन गई हैं। उन्होंने अमरीकी राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल अपने और अपने सहयोगियों के व्यावसायिक साम्राज्य को मजबूत करने के लिए किया। परिणामस्वरूप, अमरीका की वह लोकतांत्रिक आत्मा जो बराबरी और अवसरों की समानता पर आधारित थी, धीरे-धीरे कमजोर पड़ती दिखाई दी। ऐसे माहौल में ममदानी का चुना जाना जनता के भीतर पनप रहे असंतोष और नई उम्मीद का संकेत है। यह उस वर्ग की आवाज़ है जो आर्थिक विकास की चमक के पीछे दब गया था। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट टावरों और चमकते बाजारों के बीच जो आम नागरिक बेरोज़गारी, महंगाई और असमानता से जूझ रहा है, उसने आखिरकार अपने प्रतिनिधि को खोज लिया है। ममदानी ने अपने चुनाव अभियान में जिन मुद्दों को उठाया—जैसे सस्ती आवास व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा, नस्लीय समानता, और श्रमिक अधिकार—वे उस वर्ग की आकांक्षाओं का प्रतीक हैं जो विकास की दौड़ में पीछे रह गया है। यह जीत यह भी दिखाती है कि अमरीका जैसे विकसित देश में भी अब यह समझ बनने लगी है कि सिर्फ पूंजीवादी विकास ही सुख और स्थायित्व नहीं दे सकता। समाज को एक न्यायपूर्ण व्यवस्था की भी ज़रूरत है, जिसमें अमीर और गरीब दोनों शांति और सम्मान से रह सकें। यह परिवर्तन का वह क्षण है जो संकेत देता है कि अब लोगों को केवल अमीरी नहीं, बल्कि समानता और गरिमा की भी तलाश है। ममदानी की यह सफलता भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए भी प्रेरणा है। एक ऐसे देश में, जहाँ नस्लीय और प्रवासी विरोधी रुझान बढ़ रहे हैं, वहाँ एक भारतीय-अफ्रीकी मूल के व्यक्ति का मेयर बनना विविधता और समावेशन की जीत है। यह दर्शाता है कि अगर विचार सच्चे हों और नीयत साफ़ हो, तो सीमाएँ और पहचाने राजनीति की दीवार नहीं बन सकतीं। न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी की जीत एक नए विमर्श को जन्म देती है—क्या विकास केवल पूंजी के केंद्रीकरण से संभव है या फिर वह समाज की समान भागीदारी से आता है?

"वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण: यह अपने इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को भारतीयता की दृष्टि से देखने का समय है"

-स्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय गीत का संवैधानिक सम्मान

भारतवर्ष की आत्मा गीत, कला और संस्कृति के स्वर में बसती है। जब भी यह राष्ट्र संकटों से गुज़रा, गीतों ने इसके लोगों में चेतना, साहस और एकता का संचार किया। चाहे महाराज शिवाजी की सेना के रणगीत हों, आज़ादी के दीवानों के क्रांतिकारी गान हों या आपातकाल के दौर में गूँजती युवाओं की आवाज़ — हर युग में गीत ने भारतीयता को पुनर्जीवित किया। इसी कड़ी में "वंदे मातरम्" ऐसा गीत बना जिसने भारतीय जनमानस को "राजनीतिक स्वराज्य" के साथ "आध्यात्मिक जागरण" का संदेश दिया। यह गीत किसी तलवार से नहीं, बल्कि एक कवि की कलम से जन्मा — बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की कलम से। साल 1875, कार्तिक शुक्ल नवमी (जगद्धात्री पूजा के दिन), बंगाल के एक विद्वान ने वह पंक्तियाँ लिखीं, जो आगे चलकर करोड़ों भारतीयों के हृदय में स्वतंत्रता की ज्योति जलाने वाली बनीं — "वंदे मातरम्", यानी "माँ, तुझे नमस्कार"।

वंदे मातरम् की रचना और बंकिमचंद्र का संकल्प

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, जो उस समय ब्रिटिश शासन में डिप्टी मैजिस्ट्रेट थे, देख रहे थे कि भारत की जनता धीरे-धीरे पराधीनता की जंजीरों में मानसिक रूप से जकड़ती जा रही है। अंग्रेज़ी शिक्षा नीति ने भारतीयों को अपनी ही संस्कृति से दूर कर दिया था। ऐसे समय में, जब भारतीयता पर पश्चिमी प्रभाव गहराता जा रहा था, बंकिमचंद्र ने अपनी लेखनी से एक "सांस्कृतिक जागरण" की शुरुआत की। उन्होंने संस्कृत और बंगला के मिश्रण में लिखा — "सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्, शस्यश्यामलाम् मातरम्।" इन पंक्तियों में उन्होंने भारत माता को एक जीवित देवी, एक पालन करने वाली माँ के रूप में प्रस्तुत

किया। यह भारत के लिए पहली बार था कि "राष्ट्र" को "माता" के रूप में देखने की कल्पना की गई। यह गीत महज़ काव्य नहीं, बल्कि 'राष्ट्र-देवता' की उपासना का सूत्र था। बंकिमचंद्र ने 'वंदे मातरम्' को अपने उपन्यास "आनंदमठ" (1882) में स्थान दिया। यह उपन्यास उस युग का वैचारिक घोष बन गया। 'आनंदमठ' के साधु न केवल धार्मिक बल्कि राजनीतिक स्वतंत्रता के प्रतीक बने। उनके मुख से निकली वंदे मातरम् की गूंज, ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जनता की पहली सामूहिक पुकार बनी।

अथर्ववेद और देवी महात्म्य से प्रेरणा

बंकिमचंद्र की प्रेरणा भारतीय आध्यात्मिक परंपरा से थी। अथर्ववेद में कहा गया है — "माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः।" (यह भूमि मेरी माता है और मैं इसका पुत्र हूँ।) यह श्लोक उस आध्यात्मिक बंधन की पुष्टि करता है जो मनुष्य और मातृभूमि के बीच है। इसी भावना को बंकिमचंद्र ने आधुनिक संदर्भ में अभिव्यक्त किया। उनकी वाणी में 'देवी महात्म्य' की ऊर्जा, 'गीता' की विवेकशीलता और 'उपनिषदों' का सत्य प्रतिबिंबित होता है। उन्होंने भारत को केवल एक "राज्य" नहीं, बल्कि एक "जीवंत चेतना" के रूप में देखा। उनके लिए यह गीत एक "मंत्र" था — "वंदे मातरम्" — यह पुकार केवल नमस्कार नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति समर्पण की प्रतिज्ञा थी।

_वंदे मातरम् और स्वाधीनता आंदोलन की प्रेरणा

बंकिमचंद्र के गीत ने 20वीं शताब्दी की शुरुआत में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को एक आध्यात्मिक आधार दिया।

1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में जब आंदोलन उठा, तो सड़कों पर, सभाओं में, स्कूलों में, यहां तक कि जेलों में भी यही गीत गूंज उठा — "वंदे मातरम्!" अरविंद घोष, रवींद्रनाथ टैगोर, बिपिनचंद्र पाल, लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी — सबने इसे भारत की आत्मा का स्वर कहा। 1906 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में वंदे मातरम् को आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया गया। रवींद्रनाथ टैगोर ने स्वयं इस गीत को स्वरबद्ध कर गाया। बंकिम का यह गीत ब्रिटिश हुकूमत के लिए डर का प्रतीक बन गया। कई जगह इसे गाने पर रोक लगाई गई, लोग गिरफ्तार हुए, फिर भी यह गीत जेल की कोठरियों में, फाँसी के फंदों पर और रणभूमियों में गूँजता रहा। क्रांतिकारी भूपेंद्रनाथ दत्ता, अरविंद घोष और खुदीराम बोस ने इस गीत को अपने जीवन का जयघोष बनाया। "यदि कोई पूछे कि भारत का राष्ट्रीय धर्म क्या है, तो मैं कहूँगा — 'वंदे मातरम्'।"

वंदे मातरम्: राजनीतिक ही नहीं, सांस्कृतिक क्रांति

'वंदे मातरम्' की सबसे बड़ी शक्ति यह थी कि उसने "राजनीतिक स्वतंत्रता" से पहले "मानसिक स्वतंत्रता" दी।

यह गीत याद दिलाता है कि भारत की पहचान उसकी भूमि या सीमाओं से नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति और सभ्यता से है। बंकिमचंद्र ने इस गीत के माध्यम से कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि तीर्थभूमि है —

जहाँ हर कण में स्मृति, शौर्य, त्याग और मातृत्व का भाव समाया है। यह वही दृष्टि है जिसे बाद में महर्षि अरविंद ने "भू-सांस्कृतिक राष्ट्रवाद" कहा। उनके शब्दों में — "बंकिम आधुनिक भारत के ऋषि थे, जिन्होंने अपने शब्दों से राष्ट्र की आत्मा को जागृत किया।"

महात्मा गांधी और वंदे मातरम् की गूंज

महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् को "राष्ट्रीय प्रार्थना" का दर्जा दिया। उनके लिए यह गीत किसी धर्म का नहीं, बल्कि धर्म की आत्मा का प्रतीक था। वे कहते थे — "वंदे मातरम् का अर्थ 'जय भारत' नहीं, 'जय माता' है। और भारत माता किसी संप्रदाय की नहीं, सबकी माता है।" सुभाषचंद्र बोस ने इस गीत को अपने आज़ाद हिंद फौज के कार्यक्रमों में गवाया। 'जय हिन्द' के नारे के साथ वंदे मातरम् भी गूंजता रहा। नेहरू, सरदार पटेल, राजेंद्र प्रसाद और मौलाना आज़ाद सभी ने इस गीत को भारत की आत्मा का प्रतीक माना।

स्वतंत्र भारत और गीत की संवैधानिक स्थिति

जब 1947 में देश आज़ाद हुआ, तो राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के चयन पर लंबी चर्चा हुई। संविधान सभा में रवींद्रनाथ टैगोर के "जन गण मन" को राष्ट्रगान और बंकिमचंद्र के "वंदे मातरम्" को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया। नेहरू ने कहा — "वंदे मातरम् का ऐतिहासिक स्थान अटल है। यह हमारी आज़ादी की लड़ाई की आत्मा है।" इस निर्णय के पीछे कारण यह था कि यह गीत पहले से ही पूरे भारतवर्ष में जन-भावनाओं का हिस्सा बन चुका था। आज भी सरकारी कार्यक्रमों, विद्यालयों और राष्ट्रीय अवसरों पर इसे उसी श्रद्धा से गाया जाता है।

विवाद और गलतफहमियाँ

कई बार 'वंदे मातरम्' को लेकर धार्मिक विवाद खड़ा किया गया, परंतु यह समझना आवश्यक है कि बंकिमचंद्र का उद्देश्य किसी देवी की पूजा नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति भक्ति का प्रतीक बनाना था। उन्होंने किसी धर्म-विशेष के देवी-देवता का वर्णन नहीं किया, बल्कि भारतभूमि को "सुजलां-सुफलां" माता के रूप में चित्रित किया। महात्मा गांधी ने कहा था — "यदि कोई व्यक्ति इस गीत को गाने में धार्मिक कारण से असमर्थ है, तो हम उसे मजबूर नहीं कर सकते। परंतु यह गीत किसी धर्म-विरोधी नहीं, बल्कि मानवता का गीत है।" वास्तव में, वंदे मातरम् भारत की समावेशी संस्कृति का परिचायक है। यह गीत हर उस व्यक्ति का है जो भारत को अपनी माता मानता है, चाहे उसका धर्म कुछ भी हो।

भारतीयता की दृष्टि से वंदे मातरम्

"वंदे मातरम्" केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के भारत का नैतिक मार्गदर्शक है। यह हमें याद दिलाता है कि भारतीयता का मूल तत्व 'एकता में विविधता' है। भारत की आत्मा उसकी भूमि में नहीं, उसके लोकजीवन में है — उसके खेतों में, उसकी नदियों में, उसकी बोलियों में, उसकी मातृभाषाओं में। जब हम कहते हैं "वंदे मातरम्", तो हम केवल देश को नहीं, बल्कि उस संपूर्ण सभ्यता को प्रणाम करते हैं जिसने हजारों वर्षों तक विश्व को "वसुधैव कुटुम्बकम्" का संदेश दिया। वर्ष 2025, जब वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, यह केवल स्मरण का अवसर नहीं,

---

रसायनों के इस्तेमाल से थक गई मिट्टी: अब लौटना होगा जैविक खेती की ओर

-कभी उपज बढ़ाने का जरिया रही रासायनिक खेती अब बनी संकट का कारण

भारतीय कृषि परंपरा हमेशा से प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलने की रही है। हमारी धरती को "धरणी माता" कहा गया, जो मानव और जीव-जगत का पालन-पोषण करती है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में आधुनिकता की आंधी में यह रिश्ता असंतुलित हो गया। हरित क्रांति के दौर में जब खाद्यान्न संकट से उबरने की जरूरत थी, तब रासायनिक खादों और कीटनाशकों का प्रयोग एक वरदान की तरह आया। इसने उत्पादन बढ़ाया, देश को आत्मनिर्भर बनाया और किसानों की आय में अस्थायी इजाफा किया। मगर आज वही रासायनिक खेती वरदान से अभिशाप बनती जा रही है। मिट्टी की उर्वरता घट रही है, जलस्रोत दूषित हो रहे हैं और स्वास्थ्य पर असर दिखने लगा है। खेतों की मिट्टी अब "थक गई" है। ऐसे में कृषि वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और खुद जागरूक किसान जैविक खेती की ओर लौटने की बात कर रहे हैं। यह सिर्फ खेती का नहीं बल्कि मानव अस्तित्व और पर्यावरण संतुलन का सवाल बन गया है।

रासायनिक खेती का दौर और उसके परिणाम

हरित क्रांति के समय भारत में गेहूं और धान की पैदावार बढ़ाने के लिए यूरिया, डीएपी, पोटाश, फफूंदनाशी और कीटनाशकों का व्यापक इस्तेमाल शुरू हुआ। शुरुआत में यह खेती लाभदायक दिखी— फसलें तेजी से बढ़ीं, उत्पादन कई गुना बढ़ा, किसानों की आमदनी में उछाल आया, लेकिन कुछ ही वर्षों में इसके दुष्परिणाम सामने आने लगे। मिट्टी की प्राकृतिक बनावट बदल गई। जो मिट्टी कभी जैविक तत्वों से भरपूर थी, वह अब निर्जीव और कठोर होती चली गई। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, लगातार रासायनिक खादों के प्रयोग से मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा 1% से भी नीचे गिर गई है, जबकि स्वस्थ मिट्टी में यह 2 से 3% तक होना चाहिए। यह गिरावट मिट्टी की सेहत के लिए गंभीर खतरा है।

श्रीगंगानगर: मिट्टी की थकान का ताजा उदाहरण

राजस्थान का श्रीगंगानगर जिला, जो कभी खेती के क्षेत्र में आदर्श माना जाता था, आज मिट्टी के पोषण संकट से जूझ रहा है। कृषि विभाग द्वारा लिए गए सैकड़ों नमूनों में पाया गया कि बीते चार वर्षों में जैविक कार्बन की भारी कमी हुई है। किसान लगातार यूरिया और रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे मिट्टी में सूक्ष्म जीवों की संख्या घट गई है। सिंचाई के पानी में घुल रहे रसायन भी उर्वरता को कम कर रहे हैं। यह स्थिति केवल श्रीगंगानगर तक सीमित नहीं है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य भारत के कई जिलों में भी यही तस्वीर देखने को मिल रही है।

रासायनिक खेती से बढ़ता खतरा

रासायनिक खेती सिर्फ मिट्टी को नहीं बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर रही है। इसके कुछ प्रमुख नुकसान हैं—

मिट्टी की सेहत पर असर – रासायनिक खादें मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणुओं को नष्ट कर देती हैं, जो पौधों के पोषण चक्र में अहम भूमिका निभाते हैं।

भूजल प्रदूषण – जब रासायनिक खादें और कीटनाशक बारिश या सिंचाई के पानी के साथ जमीन में जाते हैं, तो भूजल जहरीला हो जाता है। कई इलाकों में पीने का पानी नाइट्रेट और फ्लोराइड से दूषित पाया गया है।

मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव – रासायनिक खादों से उगाई गई सब्जियां और फल धीरे-धीरे मानव शरीर में विषैले तत्व जमा करती हैं, जिससे कैंसर, किडनी और लीवर की बीमारियां बढ़ रही हैं।

पर्यावरणीय असंतुलन – कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से पक्षियों और मधुमक्खियों की संख्या में भारी गिरावट आई है। यह परागण प्रक्रिया को प्रभावित करता है, जिससे फसल उत्पादन पर दीर्घकालिक असर पड़ता है।

जैविक खेती: वापसी की राह

जैविक खेती कोई नई खोज नहीं है। यह वही पद्धति है जो हमारे पूर्वज सदियों से अपनाते आए हैं। गाय के गोबर, गोमूत्र, हरी खाद, कम्पोस्ट, और खेत की मिट्टी में पाए जाने वाले प्राकृतिक सूक्ष्म जीवों की मदद से फसलों को पोषण देना इसका मूल सिद्धांत है। जैविक खेती में चार प्रमुख सिद्धांत होते हैं— स्वास्थ्य (Health) – मिट्टी, पौधों, जानवरों और मनुष्यों के स्वास्थ्य की सुरक्षा। पारिस्थितिकी (Ecology) – प्रकृति के संतुलन के अनुरूप खेती करना। न्याय (Fairness) – किसान, उपभोक्ता और पर्यावरण के बीच संतुलित रिश्ता। सावधानी (Care) – दीर्घकालिक प्रभावों को ध्यान में रखकर निर्णय लेना।

किसानों की दुविधा और चुनौतियाँ

किसान यह अच्छी तरह जानते हैं कि मिट्टी बीमार हो रही है, लेकिन वे तुरंत जैविक खेती की ओर नहीं लौट पा रहे। इसके पीछे कई व्यावहारिक कारण हैं—

शुरुआती सालों में उपज में कमी – जैविक पद्धति अपनाने के पहले दो-तीन साल में मिट्टी को स्वस्थ होने में वक्त लगता है, जिससे उत्पादन घट जाता है।

बाजार में जैविक उत्पादों की उचित कीमत नहीं मिलना – अधिक मेहनत के बावजूद किसान को बाजार में सही दाम नहीं मिलता।

तकनीकी मार्गदर्शन की कमी – कृषि विज्ञान केंद्रों और विभागों की पहुंच सीमित है। प्रशिक्षण कार्यक्रम अक्सर खेतों तक नहीं पहुंच पाते।

सहायता और बीमा की अनुपलब्धता – जैविक खेती करने वाले किसानों के लिए अलग बीमा या सब्सिडी योजनाएं पर्याप्त नहीं हैं।

जैविक खेती के लाभ

जहां किसान हिम्मत कर के जैविक खेती अपनाते हैं, वहां धीरे-धीरे अद्‌त परिणाम देखने को मिलते हैं।

मिट्टी की उर्वरता की पुनर्बहाली – गोबर खाद, हरी खाद, और जैविक कम्पोस्ट मिट्टी की संरचना को पुनर्जीवित करते हैं।

कम लागत, अधिक टिकाऊपन – धीरे-धीरे रासायनिक खादों पर खर्च कम हो जाता है और किसान आत्मनिर्भर बन जाता है।

स्वास्थ्यवर्धक उत्पादन – जैविक फसलों में न तो रासायनिक अवशेष होते हैं, न ही विषैले तत्व। यह मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं।

पर्यावरणीय सुधार – जैविक खेती से जलस्रोत, हवा और मिट्टी सभी का प्रदूषण घटता है।

दीर्घकालिक स्थिरता – यह खेती आने वाली पीढ़ियों के लिए भूमि को सुरक्षित रखती है।

वेंस के कथन पर बहस: क्या अब 'अमरीकी नागरिक' के लिए ईसाई होना ज़रूरी है?

-उपराष्ट्रपति वेंस के बयान ने अमरीका में धर्म, राजनीति और पहचान के संबंधों पर नई बहस छेड़ दी है

अमरीका अपने संविधान और विचारधारा के स्तर पर एक धर्मनिरपेक्ष देश है, जहां राज्य और धर्म के बीच स्पष्ट दीवार खींची गई है। लेकिन व्यावहारिक राजनीति में यह दीवार हमेशा उतनी मज़बूत नहीं रही। "गॉड ब्लेस अमेरिका" जैसे वाक्यांश से लेकर राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोहों तक, धार्मिक प्रतीक और भाषा अमरीकी सार्वजनिक जीवन में गहराई से समाहित हैं। इसी पृष्ठभूमि में उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के हालिया बयान ने देश की बहस को नया मोड़ दिया है। वेंस ने मिसिसिपी यूनिवर्सिटी में आयोजित "टर्निंग पॉइंट यूएसए" की रैली में कहा— "मैं आशा करता हूं कि मेरी हिंदू पत्नी उषा भी कभी उस अनुभव से प्रभावित होंगी, जिससे मैं गिरजाघर में प्रभावित हुआ था।" पहली नज़र में यह एक पति का अपनी पत्नी के लिए निजी भावनात्मक वक्तव्य प्रतीत होता है। लेकिन जब यह कथन अमेरिका के उपराष्ट्रपति के मंच से, हजारों समर्थकों के सामने, एक राजनीतिक आयोजन में दिया जाता है, तो यह केवल "व्यक्तिगत भावना" नहीं रह जाता — यह एक राजनीतिक और सांस्कृतिक संकेत (Political & Cultural Signal) बन जाता है।

धर्म और राजनीति का नया संगम

वेंस का यह कथन अमेरिकी समाज में लंबे समय से मौजूद उस प्रवृत्ति को और मज़बूत करता है जिसमें ईसाई आस्था को अमेरिकी पहचान से जोड़ा जाने लगा है। अमरीकी इतिहास में यह कोई नया चलन नहीं है — बल्कि इसके बीज 18वीं सदी से ही पड़े हुए हैं। "मैनिफेस्ट डेस्टिनी" (Manifest Destiny) जैसी विचारधाराओं ने ईसाई धर्म को अमेरिका की राष्ट्रीय आत्मा और मिशन के रूप में प्रस्तुत किया था। लेकिन आधुनिक दौर में, खासकर 21वीं सदी के बाद, यह प्रवृत्ति "Christian Nationalism" या ईसाई राष्ट्रवाद के रूप में उभरकर सामने आई है — जिसमें यह मान्यता दी जा रही है कि अमेरिका का निर्माण ईसाई मूल्यों पर हुआ था और इन्हें बनाए रखना "राष्ट्रभक्ति" का हिस्सा है। वेंस का बयान इसी विचारधारा की आधुनिक अभिव्यक्ति है — जहां निजी धर्म को सार्वजनिक आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

व्यक्तिगत आस्था बनाम सार्वजनिक संदेश

धर्म व्यक्ति की आत्मा से जुड़ा विषय है। हर व्यक्ति को अपनी आस्था में जीने और उससे प्रेरणा लेने का अधिकार है। लेकिन जब वही भावना किसी राजनैतिक पद पर बैठे व्यक्ति से व्यक्त होती है, तो उसका प्रभाव व्यक्तिगत नहीं, संस्थागत हो जाता है। वेंस के इस कथन से दो संदेश उभरते हैं: आस्था का आदर्शीकरण — जैसे ईसाई अनुभव किसी सार्वभौमिक "सत्य" का प्रतीक हो। अन्य धर्मों की स्थिति — जैसे अन्य आस्थाएं केवल "सहन" की जाने योग्य हैं, न कि "सम्मान" के योग्य। यही वह बिंदु है जहां बहस शुरू होती है। क्योंकि अगर एक उपराष्ट्रपति यह संकेत दे रहा है कि उनकी आस्था ही "सही मार्ग" है, तो यह प्रश्न उठता है — क्या अमेरिकी नागरिकता की नैतिक परिभाषा अब केवल ईसाई आस्था से जुड़ती जा रही है?

धर्मनिरपेक्षता और बहुलता पर खतरा

अमरीका की पहचान हमेशा से "मेल्टिंग पॉट" यानी विभिन्न संस्कृतियों, नस्लों और धर्मों के संगम के रूप में रही है। यही विविधता उसकी शक्ति रही है। अफ्रीकी-अमेरिकी चर्चों से लेकर यहूदी सिनेगॉग, हिंदू मंदिरों, मस्जिदों और सिख गुरुद्वारों तक — सबने अमेरिकी समाज की आत्मा को समृद्ध किया है। लेकिन हाल के वर्षों में ट्रम्प युग की राजनीति और "राइट-विंग इवेंजेलिकल" आंदोलनों ने इस विविधता को चुनौती दी है। "America First" जैसी नीतियों ने अमेरिकी पहचान को "श्वेत, ईसाई और रूढ़िवादी" दायरे में सीमित करने की कोशिश की। वेंस का बयान उसी विचारधारा का सांस्कृतिक संस्करण लगता है — जिसमें धर्म अब केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक योग्यता का पैमाना बनता जा रहा है।

ईसाई राष्ट्रवाद का बढ़ता प्रभाव

ईसाई राष्ट्रवाद (Christian Nationalism) की मूल धारणा यह है कि अमेरिका का अस्तित्व ईश्वर की योजना का हिस्सा है, और इस राष्ट्र की रक्षा तभी संभव है जब इसके कानून, संस्कृति और मूल्य ईसाई सिद्धांतों पर आधारित रहें। इस विचार के समर्थक कहते हैं कि "सेक्युलरिज़्म" ने अमेरिकी समाज को नैतिक रूप से कमजोर कर दिया है, परिवार और आस्था का क्षरण हुआ है। लेकिन विरोधियों का तर्क है कि यह विचार अमेरिकी संविधान की आत्मा के विपरीत है, जो धर्म की स्वतंत्रता और राज्य से उसके अलगाव की गारंटी देता है। वेंस के बयान को इन्हीं संदर्भों में देखा जा रहा है — क्योंकि यह न केवल निजी धार्मिकता का प्रदर्शन है, बल्कि एक वैचारिक आग्रह भी है कि ईसाई अनुभव ही सही या श्रेष्ठ आध्यात्मिक अनुभव है।

'पत्नी' और 'धर्मांतरण' का प्रतीकात्मक प्रयोग

वेंस की हिंदू पत्नी, उषा वेंस (पूर्व नाम उषा चिलुकुरी), भारतीय मूल की हैं और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की स्नातक हैं। वे अमरीकी जीवन के उस बहुसांस्कृतिक ताने-बाने का प्रतिनिधित्व करती हैं जिसमें विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोग एक साथ रहते हैं। जब वेंस कहते हैं कि वे चाहते हैं उनकी पत्नी "गिरजाघर के अनुभव से प्रभावित हों", तो यह केवल पारिवारिक संवाद नहीं रह जाता — यह एक सांकेतिक संदेश बन जाता है कि "अमेरिकन फैमिली" की आदर्श छवि ईसाई जीवनशैली में ही निहित है। ऐसे वक्तव्य अप्रत्यक्ष रूप से यह धारणा गढ़ते हैं कि जो व्यक्ति ईसाई नहीं है, वह "अमेरिकी" पहचान में पूरी तरह सम्मिलित नहीं हो सकता। यह न केवल धर्मनिरपेक्षता बल्कि संवैधानिक समानता की भावना के भी विरुद्ध है।

धर्म और पहचान का राजनीतिक इस्तेमाल

अमरीकी राजनीति में धर्म हमेशा से एक शक्तिशाली चुनावी मुद्दा रहा है। रिपब्लिकन पार्टी विशेष रूप से "इवेंजेलिकल वोट बैंक" पर निर्भर करती है — जो पारंपरिक परिवार, गर्भपात-विरोध, और "गॉड-सेंटर्ड नेशन" जैसे नारों के ज़रिए अपने समर्थकों को संगठित करती है। वेंस का बयान इस राजनीति की ज़रूरतों को भी पूरा करता है। ट्रंप और उनके समर्थक "संस्कृति युद्ध" (Culture War) की भाषा में चुनाव लड़ते हैं — जहां मुद्दे केवल अर्थव्यवस्था या विदेश नीति नहीं, बल्कि "नैतिकता, धर्म और पारिवारिक मूल्यों" से जुड़ते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश का सड़क तंत्र बन रहा मजबूत

-गांवों से शहर तक फैल रहा सड़कों का नेटवर्क, आमजन का आवागमन बन रहा सुगम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार राजस्थान में सुगम एवं सुरक्षित यात्रा के लिए सड़कों के विकास कार्य को प्राथमिकता व गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कर रही है। इसी क्रम में चरणबद्ध रूप से प्रदेश में राज्य राजमार्गों का निर्माण, सड़कों का क्रमोन्नयन, चौड़ाईकरण व सुदृढ़ीकरण, राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास, आरओबी, आरयूबी व उच्चस्तरीय पुलों के निर्माण से राज्य के समग्र विकास को नवीन गति मिल रही है।

सड़कों के विकास के लिए 12 हजार 391 कार्य स्वीकृत

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में सड़कों के विकास पर 24 हजार 976 करोड़ रुपये व्यय कर 36 हजार 140 किलोमीटर सड़कों का विकास किया गया है। वहीं, 28 हजार 600 किलोमीटर लंबी सड़कों के विकास के लिए 14 हजार 816 करोड़ रुपये के 12 हजार 391 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क तंत्र मजबूत बनाने की दिशा में 1 हजार 564 गांव और बसावटों को सड़कों से जोड़ा गया है। साथ ही, 3 हजार 543 किलोमीटर लंबाई की मिसिंग लिंक सड़कों के लिए 1 हजार 328 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार, 327 अटल प्रगति पथों के निर्माण के लिए 813 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की जा चुकी है।

प्रदेश में 6 हजार 249 किमी के राज्य राजमार्गों का विकास

प्रदेश में 22 माह से अधिक के कार्यकाल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप राजमार्ग सुविधा को बेहतर बनाते हुए निरंतर इनका विकास एवं विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में 8 हजार 194 करोड़ रुपये की लागत से 6 हजार 249 किलोमीटर लंबाई के राज्य राजमार्गों का विकास हो चुका है एवं 2 हजार 547 करोड़ रुपये की लागत से 8 राज्य राजमार्गों में कार्य प्रगति पर है। जिला मुख्यालय से संपर्क को सुगम बनाने के लिए 5 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सड़कों का मुख्य जिला सड़कों में क्रमोन्नयन किया गया है।

राष्ट्रीय राजमार्ग हो रहे सुदृढ़, रेलवे क्रॉसिंग बन रही सुरक्षित

राजस्थान में डबल इंजन की सरकार में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास हो रहा है। 600 किलोमीटर लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्गों का चौड़ाईकरण व सुदृढ़ीकरण हो चुका है। 457 किलोमीटर लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा व सुदृढ़ करने का कार्य प्रगति पर है। रेलवे क्रॉसिंग को सुरक्षित बनाने के लिए प्रदेश में 10 आरओबी का निर्माण पूरा हो चुका है तथा 33 आरओबी का निर्माण प्रगति पर है। वहीं, 14 आरयूबी का निर्माण पूर्ण होने के साथ ही 14 आरयूबी का निर्माण प्रगति पर है। प्रदेश में 11 उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण पूर्ण हो चुका है और 15 उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

सड़क सुरक्षा अभियान:

मात्र चार दिन में पुलिस ने एक लाख 33 हजार से अधिक लोगों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

-तेज गति से वाहन चलाने पर 16 हजार से अधिक वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 4 से 18 नवम्बर तक प्रदेशव्यापी 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान राज्य में वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने और नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग समन्वित रूप से कार्य कर रहे हैं।

पुलिस विभाग की प्रदेश में व्यापक कार्रवाई:-

अभियान के तहत पुलिस विभाग यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर निरंतर सख्त कार्रवाई कर रहा है। 4 से 7 नवंबर तक शराब पीकर वाहन चलाने पर 2949, तेज गति से वाहन चलाने पर 16 हजार 160, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 10 हजार 888, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 1199, बिना रिफ्लेक्टर वाहन चलाने पर 2863 तथा बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने पर 6269 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस दौरान 1 लाख 33 हजार 988 नागरिकों को यातायात नियमों एवं सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया गया है। प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों पर एनएच-48 मॉडल के अनुरूप लेन ड्राइविंग सिस्टम लागू करने के लिए पुलिस जाप्तों के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही, लेन ड्राइविंग सुनिश्चित करने के लिए पुलिस टीमें तैनात हैं और नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग:-

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने अभियान के तहत 7 नवंबर को राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर चलने वाले 1818 व्यावसायिक वाहन (ट्रक व बस) चालकों की नेत्र जांच कर 291 जरूरतमंद चालकों को चश्मे वितरित किए। विभाग द्वारा 7 नवंबर तक 2279 चालकों की नेत्र जांच कर 402 चश्मे वितरित किए जा चुके हैं।

परिवहन विभाग ने 163 के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए, 333 वाहन सीज:-

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने पर अभियान के तहत अब तक 6552 वाहनों के चालान किए हैं। इसमें मालवाहक वाहनों पर ओवरलोडिंग के 453, इन वाहनों में यात्री पाए जाने पर 163 तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 4356 मालवाहक वाहनों के चालान किए गए। यात्री वाहनों में क्षमता से अधिक यात्री पाए जाने पर 85, छत पर सामान रख संचालन करने पर 19 बसों तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 741 यात्री वाहनों का चालान किया। इस दौरान परिवहन विभाग द्वारा 163 व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए गए, 33 वाहनों के रजिस्ट्रेशन रद्द किए गए तथा 333 वाहनों को सीज किया गया है। इस दौरान अन्य प्रकरणों में भी विभाग द्वारा चालान किए गए हैं।

संबंधित विभागों की समन्वित कार्यवाही:-

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत राज्य सरकार के विभिन्न विभागों तथा जिला प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न जिलों में सड़क किनारे झाड़ियाँ हटाने, स्पीड ब्रेकर सही करने, चेतावनी, संकेतक एवं साइन बोर्ड लगाने, अनाधिकृत कट बंद करने आदि कार्य किए जा रहे हैं। नगरीय विकास एवं स्थानीय निकाय विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त करने, रोड़ लाइट्स दुरुस्त करने, निराश्रित पशुओं को सुरक्षित स्थान पर भेजने सहित विभिन्न कार्य हो रहे हैं।

"मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म" - स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर

-जैसलमेर में वंदे मातरम्@150 के तहत रक्तदान शिविर का अवलोकन, कहा — रक्तदान है महादान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व जिला प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने शनिवार को राजकीय एस. बी. के. महाविद्यालय, जैसलमेर में आयोजित रक्तदान शिविर का अवलोकन किया उन्होंने शिविर स्थल पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं रक्तदाताओं से संवाद करते हुए उनके सेवा भाव एवं उत्साह की सराहना की एवं कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। शिविर में पहुंचने पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा चिकित्सा मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।उन्होंने कैडेट्स की अनुशासनप्रियता एवं सेवाभाव की प्रशंसा की इसी क्रम में जिले के लोक कलाकारों के प्रस्तुतिकरण को भी उन्होंने सराहा एवं उन्हें समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रभारी मंत्री खींवसर ने कहा कि "रक्तदान एक महादान है, यह न केवल किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाता है, बल्कि समाज में एकजुटता एवं मानवता का संदेश भी देता है।" उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान शिविरों में भाग लेकर समाजसेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, पूर्व विधायक डॉ. जितेंद्रसिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर परसाराम सैनी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेंद्र पालीवाल, सहायक निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क प्रवीण प्रकाश चौहान, खेल अधिकारी राकेश विश्नोई, समाजसेवी कंवराज सिंह चौहान, पवन कुमार सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मालवीय नगर एवं झोटवाड़ा जोन में आयोजित हुआ शिविर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में नगर निगम ग्रेटर द्वारा फॉलोअप शिविर कार्यक्रम जारी किया गया है। 03 नवम्बर से 07 नवम्बर 2025 तक फॉलोअप शिविर जोन कार्यालयों पर आयोजित किये जा रहे है जिसके प्रभारी अधिकारी संबंधित जोन उपायुक्त होगे। शुक्रवार को मालवीय नगर जोन में कार्यालय मालवीय नगर जोन (गैराज परिसर) एवं झोटवाड़ा जोन में कार्यालय झोटवाड़ा जोन तारा नगर-डी, खिरणी फाटक पर आयोजित किया जायेगा। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जोनवाईज 03 नवम्बर से 07 नवम्बर 2025 तक फॉलोअप शिविर संबंधित जोन कार्यालयों पर आयोजित किये जा रहे है। इन सभी कैम्पों में आमजन से जुड़ी हुई विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान किया जा रहा है। पूर्व में भी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2025 तक शहरी सेवा शिविर आयोजित किये गये थे। यदि कोई व्यक्ति समस्यानिस्तारण हेतु शिविरों में नहीं आ पाया हो तो इन शिविरों के माध्यम से अपनी समस्याओं का निस्तारण करवा सकता है।

शिविरों में मिल रही आमजन को तत्काल राहतः-

झोटवाड़ा जोन के स्थानीय निवासी जुगल किशोर शर्मा ने झोटवाड़ा जोन में अपने मकान के लीज होल्ड पट्टे से फ्री होल्ड पट्टे के लिए आवेदन किया आवेदन करने के कुछ समय पश्चात ही संपूर्ण झोटवाड़ा फॉलोअप कैंप के अंतर्गत जुगल किशोर शर्मा को उनके मकान का लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा बनाकर प्रदान किया गया अपने इस कार्य के त्वरित तरह गति से पूर्ण हो जाने पर जुगल किशोर शर्मा के चेहरे पर मुस्कान आ गई और उन्होंने अपने इस कार्य के लिए नगर निगम प्रशासन के द्वारा किए गए सहयोग की सराहना की और राज्य सरकार तथा माननीय मुख्यमंत्री का भी आभार व्यक्त किया। झोटवाड़ा जोन के स्थानीय निवासी राजाराम कुमावत ने झोटवाड़ा जोन में चल रहे संपूर्ण झोटवाड़ा फॉलोअप कैंप में अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया आवेदन करने के एक दिन के भीतर ही संपूर्ण झोटवाड़ा फॉलोअप कैंप के अंतर्गत राजाराम को उनके बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनाकर प्रदान किया गया अपने इस कार्य के बिना किसी परेशानी के और बहुत ही कम समय में पूर्ण हो जाने पर फिर राजाराम को बहुत प्रसन्नता हुई और इसके लिए उन्होंने नगर निगम प्रशासन और माननीय मुख्यमंत्री का बहुत आभार और धन्यवाद व्यक्त किया। झोटवाडा जोन के शिविर में जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन के 15 आवेदनों के प्रमाण पत्र तत्काल जारी किए गए। पीएम स्वनिधि के 10 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। घर-घर कचरा संग्रहण के 14 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। सफाई के 12 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। मालवीय नगर जोन के शिविर में जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन के 25 आवेदनों के प्रमाण पत्र तत्काल जारी किए गए। घर-घर कचरा संग्रहण के 17 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। नाम हस्तान्तरण के 2 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

जयपुर में 5 दिनों में 15 लाख से ज्यादा परिगणना परिपत्रों का किया गया वितरण

- विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत घर-घर पहुंच रहे बूथ लेवल अधिकारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना में जिला निर्वाचन अधिकारी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर-2026) के तहत 4 दिसम्बर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से परिगणना प्रपत्र भरवाने का कार्य किया जा रहा है। जयपुर जिले में विगत 5 दिनों में 15 लाख 45 हजार 448 परिगणना परिपत्रों का वितरण किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी जिले में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे परिगणना प्रपत्र भरने में बीएलओ का सहयोग कर सक्रिय भागीदारी निभाएं एवं संबंधित जानकारी यथासंभव उपलब्ध कराएं ताकि उनकी मैपिंग पूर्ववर्ती मतदाता सूची से की जा सके। जयपुर उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर परिगणना परिपत्रों का वितरण कर रहे हैं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी लगातार फील्ड में निरीक्षण कर रहे हैं। चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 10 हजार 948, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 37 हजार 533, बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 1 हजार 652, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 359, चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 7 हजार 121, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 2 हजार 689, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 2 हजार 889, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 89 हजार 964, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 67 हजार 740 परिगणना परिपत्र वितरित किए गए। वहीं, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 38 हजार 563, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 68 हजार 915, विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 88 हजार 740, किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 47 हजार 297, बगरू विधानसभा क्षेत्र में 86 हजार 495, हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 59 हजार 162, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 82 हजार 437 एवं सिविल लाइन विधानसभा क्षेत्र में 52 हजार 944 परीगणना प्रपत्रों का वितरण किया गया। जयपुर उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि परिगणना अवधि के दौरान जिन मतदाताओं की मैपिंग पूर्व विशेष पुनरीक्षण से हो जाएगी, उन्हें किसी अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू एवं सफल बनाने में सहभागी बनें।

विशेष गहन पुनरीक्षण SIR के संबंध में नगर निगम ग्रेटर में आयोजित की गई कार्यशाला

-नगर निगम मुख्यालय पर स्थापित की गई SIR हेल्पडैस्क

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय के सभासद भवन में शुक्रवार को SIR (Special Intensive Revision) (विशेष गहन पुनरीक्षण) के तहत महापौर, चेयरमैन, पार्षद की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए तथा इस संबंध में जागरूकता के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम ग्रेटर व हैरिटेज के जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में SIR के महत्वपूर्ण बिन्दओं से मास्टर ट्रेनर ने अवगत कराया। साथ ही कार्यशाला में SIR की प्रमुख प्रक्रियाएँ, चरण समझाए गए। इस अवसर पर महापौर डॉ॰ सौम्या गुर्जर, उपायुक्त सीमा चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। कार्यशाला पश्चात् ग्रेटर व हैरिटेज के जनप्रतिनिधियों की ग्रुप फोटो भी ली गई। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत जिला स्तरीय SIR हेल्पडैस्क स्थापित की गई है। जिसके माध्यम से आमजन को SIR के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाई जायेंगी।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विशाल वंदे मातरम यात्रा

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । सर्व समाज की ओर से राष्ट्र गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शास्त्री नगर स्थित हेडगेवार सर्किल से कांवटिया सर्किल तक विशाल वंदे मातरम यात्रा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के साथ निकली गई इसमें भारत माता की जय घोष के साथ शास्त्री नगर को गुंजायमान हो बैठा । सामाजिक कार्यकर्ता नंदकिशोर खंडेलवाल ने बताया कि यह आयोजन देश के युवाओं को राष्ट्र, समाज परिवार के प्रति मुख्य धारा में लाने वाला होगा और युवाओं को सही दिशा प्रदान करेगा।

कांग्रेस ने वंदे मातरम् गीत को काटकर राष्ट्र की आत्मा के साथ किया धोखा - घनश्याम तिवाड़ी

- भाजपा सांसद बोले — कांग्रेस की विरासत तुष्टिकरण और विभाजन की; अगर पूरा वंदे मातरम् गाने का समर्थन करे तो मान लूंगा इसकी विरासत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम् गीत भारतीय राष्ट्रभावना की आत्मा है। कांग्रेस वंदे मातरम् को अपनी विरासत बता रही है, जबकि कांग्रेस की विरासत भारत विभाजन और तुष्टिकरण की है। मुसलमानों को तुष्ट करने के लिए वंदे मातरम् गीत को काटा गया और संविधान की आत्मा में सुई चुभो दी गई। तिवाड़ी ने कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को खुली चुनौती देता हूँ कि यदि वह यह समर्थन करे कि वंदे मातरम् गीत पूरा गाया जाना चाहिए, तो मैं इसे कांग्रेस की विरासत मानने को तैयार हूँ। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत 7 नवंबर 1875 को बंग दर्शन पत्रिका में बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा प्रकाशित किया गया था। 1896 में रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने कोलकाता में इसे पहली बार गाया। 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत राष्ट्रीय आंदोलन की आवाज बन गया था। वहीं 1937 में मौलाना मोहम्मद अली और शौकत अली ने कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् गीत का विरोध मुखर किया। गीत गाने वाले वक्ता को बीच में रोकते हुए उन्होंने इस गीत का बहिष्कार किया। इनता ही नहीं, कांग्रेस के नेताओं ने इस गीत को धर्म से जोड़ते हुए काटने का घिनौना कार्य किया। कांग्रेस नेताओं ने इस गीत का इसलिए विरोध किया क्योंकि इसमें मां दुर्गा, कमला और सरस्वती के नाम हैं। इसे धर्म से जोड़ते हुए गीत के कई अंशों तक को हटा दिया। जबकि देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में कई मुस्लिम क्रांतिकारियों ने भी इस गीत का गायन किया था। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि कांग्रेस ने 1914 में मुस्लिम लीग से समझौता कर भारत विभाजन की नींव रखी और 1937 में वंदे मातरम गीत को काटकर राष्ट्र की आत्मा से धोखा किया। कांग्रेस ने न केवल बंकिमचंद्र चटर्जी और रवीन्द्रनाथ टैगोर बल्कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की आत्मा को भी ठेस पहुंचाई है। 1976 में कांग्रेस ने 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से प्रस्तावना में परिवर्तन कर अपनी राजनीतिक विचारधारा थोपने का प्रयास किया। जबकि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सशक्त बनाने के कार्य में जुटी हुई है। राष्ट्र के लिए वंदे मातरम् गीत भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना जन गण मन..। भाजपा राष्ट्र की आत्मा को पुनः जागृत करने और एकात्मता की भावना को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। प्रेसवार्ता में मंच पर भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक भी उपस्थित रहे।

वन्दे मातरम्@150 का गंगानगर में हुआ भव्य आयोजन

-वन्दे मातरम् प्रदर्शनी में दर्शाई गई राष्ट्रगीत के इतिहास की गौरव गाथा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत "वन्दे मातरम्" की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "वन्दे मातरम्@150" के जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन शनिवार को गंगानगर में हुआ। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा ने राष्ट्रगीत की गौरव गाथा व महापुरुषों के योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि वन्दे मातरम् हमारी राष्ट्रीय चेतना एवं अखण्डता का प्रतीक है। वन्दे मातरम् को राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी प्रतीक बताते हुए मंत्री ने कहा कि "वन्दे मातरम्@150" के जिला स्तरीय कार्यक्रम ने सभी को देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत कर दिया है। उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधने वाले राष्ट्र की अस्मिता के प्रतीक राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने और स्वतंत्रता संग्राम में स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर भी प्रकाश डाला। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में स्वदेशी को अपनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व प्रभारी मंत्री, सादुलशहर विधायक गुरवीर बराड़, जिला कलक्टर डॉ. मंजू, एसपी डॉ. अमृता दुहन, पूर्व विधायक बलवीर लूथरा सहित अन्य ने भगत सिंह चौक पर शहीदों को श्रृद्धा सहित नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। अतिथियों ने रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

नई दिल्ली में 'नेशनल अर्बन कॉन्क्लेव 2025' का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'नेशनल अर्बन कॉन्क्लेव 2025' में देश के शहरी विकास के नए अध्याय और रोडमैप पर विस्तार से चर्चा की गई। इस कॉन्क्लेव में राजस्थान की ओर से नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने सहभागिता की तथा राजस्थान में शहरी विकास और उनके भविष्य की रणनीति पर विस्तार से बताया। खर्रा ने कहा कि इस कॉन्क्लेव के अवसर पर टीम अर्बन नीति निर्माताओं, शहरी विकास मंत्रियों एवं नवाचारकों ने मिलकर सतत, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार शहरों के रोडमैप पर विस्तृत विचार-विमर्श किया । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत— 2047 के लक्ष्य की दिशा में यह कॉन्क्लेव हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इको फ्रेंडली, प्रौद्योगिकी संचालित और जन केंद्रित शहरी तंत्र का निर्माण जो हर नागरिक के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है, देश के भविष्य का आधार है। इस दौरान भविष्य के भारतीय शहरों की परिकल्पना को मूर्त रूप देती 'विकसित भारत सिटी प्रदर्शनी' का भी उद्घाटन कर अवलोकन किया गया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

राष्ट्र गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर मनोरजन क्लब में सर्व समाज द्वारा सामूहिक गीत गाया गया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राष्ट्रगीत वन्देमातर् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में आज मनोरंजन क्लब में सर्व समाज की और से वन्देमातरम सामुहिक रूप से गाया गया जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनो से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित रहे और समुह रूप में वन्देमातरम गाया।कार्यक्रम के भाजपा के राष्ट्रीय परिषद् सदस्य ओम सारस्वत वंदे मातरम के ऐतिहासिक तथ्यो की चर्चा करते हुऐ कहा कि इस गीत ने भारतीय स्वतंत्रता सग्राम के सैनानियो लगभग आधी सदी तक प्रेरणा प्रदान की बकीमचन्द्र चटोपाध्याय के द्वारा रचित उपन्यास आन्नद मठ में इस गीत को लिखा गया इस गीत से सदियो से सुप्त भारत देश जाग उठा और भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक यह गीत बना।उन्होने कहा कि 1950 में इस गीत को भारत का राष्ट्रगीत घोषित किया गया और आज भी जब इस गीत का वाचन और गायन किया जाता है तो मां भारती के प्रति प्रत्येक व्यक्ति नतमस्तक हो जाता है। उन्होने इसके ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी देते हुऐ कहा कि जब प्रत्येक भारतीय में एक निराशा का भाव था अग्रेजो के शासन में जब भारतीयो की सभ्यता और संस्कृति पर आक्रमण किया जा रहा था उस समय इस गीत ने प्रत्येक भारतीय के मन में निराशा को हटाकर उत्साह के भाव को जागृत किया। उन्होने कहा प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रप्रेम की भावना रहती है आवश्यक है उसे समय समय पर जागृत करने की इसलिए इस प्रकार के कार्यक्रमो की आवश्यकता समाज में बहुत जरूरी है। उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुऐ कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमो से आने वाली पिढियों को संस्कार प्राप्त होते है। इस अवसर पर तथास्तु गौड़ ने वन्देमातरम् गीत पर विचार व्यक्त किये एवम् पंडित बनवारी लाल शर्मा ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में गोपाल पारीक, नीरज गौड़, पं. जनार्दनाचार्य के साथ उपस्थित सर्वसमाज के गणमान्य लोगो ने वंदे मातरम् गीत का सस्वर गायन किया।

सड़क सरक्षा समिति की बैठक आयोजित

-आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाकर जागरुक करें- जिला कलक्टर

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा के अंतर्गत जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार की मौजूदगी में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित हुई। कलेक्ट्रेट सभा कक्ष आयोजित बैठक में जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने 4 नवम्बर से 18 नवंबर तक चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नगरीय परिषद द्वारा शहरी क्षेत्रों में विशेष तौर पर नियमित रूप से अलग-अलग क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर फुटपाथों व सड़कों से अतिक्रमण हटवाने, सार्वजनिक निर्माण विभाग को सड़कों के आस-पास अनावश्यक झाड़ियों की नियमित कटाई, चेतावनी संकेतक साइन बोर्ड लगवाने तथा दुर्घटना संभावित मोड़ों पर संकेतक लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा विभाग को 45 वर्ष से अधिक आयु के वाहन चालकों की आंखों की जांच के लिए शिविर आयोजित करवाने, ट्रॉमा सेंटर, निकटवर्ती अस्पतालों की तत्परता के लिए समीक्षा बैठक करने तथा नेशनल हाईवे पर एंबुलेंस की उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए बैठक में उन्होंने कहा कि वाहन चालकों के हेलमेट सीट बेल्ट, डीपर, साइड लाइट के उपयोग की जानकारी रैली के माध्यम से जागरूकता फैलाए तथा आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाकर जागरूक करें। इस अवसर पर अतिरिक्त शीला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़, टीएडी उपायुक्त डॉ सत्य प्रकाश कसवा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलंकार गुप्ता सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हरसोलिया आज होंगे "मदर टेरेसा समर्पण समाज गौरव 2025" अवार्ड से सम्मानित

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय समर्पण संस्था जयपुर के तत्वावधान में रविवार को सियाम ऑडिटोरियम, राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा (जयपुर) में आयोजित होने वाले समारोह में समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर चौमूं तहसील के ग्राम टांकरड़ा निवासी व बलाई विकास समिति, जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया "मदर टेरेसा समर्पण समाज गौरव 2025" अवार्ड से सम्मानित होंगे।

इन्द्रेश आज होंगे "मुंशी प्रेमचन्द समर्पण समाज गौरव 2025" अवार्ड से सम्मानित

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय समर्पण संस्था जयपुर के तत्वावधान में रविवार को सियाम ऑडिटोरियम, राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा (जयपुर) में आयोजित होने वाले समारोह में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर चौमूं तहसील के ग्राम खेजरोली निवासी साहित्यकार व प्रधानाचार्य राजकुमार इन्द्रेश "मुंशी प्रेमचन्द समर्पण समाज गौरव 2025" अवार्ड से सम्मानित होंगे।

गीतांजली यूनिवर्सिटी में एचडीएफसी बैंक शाखा का शुभारंभ

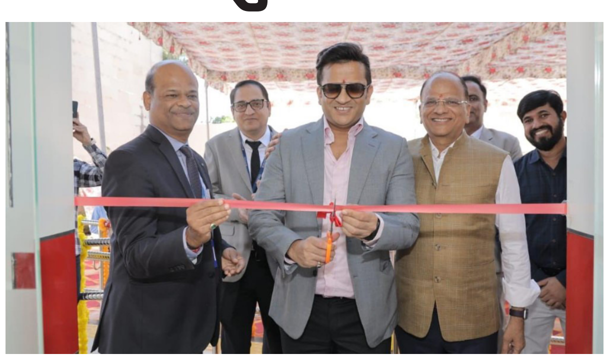

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली यूनिवर्सिटी में आज एचडीएफसी बैंक की नई शाखा "गीतांजली यूनिवर्सिटी शाखा" का शुभारंभ किया गया। यह शाखा गीतांजली परिसर में बैंकिंग सुविधाओं को और सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन जे.पी. अग्रवाल एवं एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, एचडीएफसी बैंक के ज़ोनल हेड कुमार सौरभ तथा ब्रांच मैनेजर चंदन पालीवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर गीतांजली यूनिवर्सिटी एवं गीतांजली हॉस्पिटल की लीडरशिप टीम, स्टाफ सदस्य और एचडीएफसी बैंक के अधिकारी भी मौजूद थे। नव स्थापित शाखा से छात्रों, फैकल्टी सदस्यों और कर्मचारियों को बैंकिंग सेवाओं का त्वरित और आसान लाभ मिल सकेगा। इस पहल से न केवल वित्तीय सेवाएँ परिसर में सुलभ होंगी, बल्कि यह यूनिवर्सिटी में डिजिटल बैंकिंग को भी प्रोत्साहन देगी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

गीतांजलि डेंटल में GDRI स्माइल उदयपुर पहल का आग़ाज़

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि डेंटल एण्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट, उदयपुर द्वारा "GDRI स्माइल उदयपुर पहल" का शुभारंभ 7 नवम्बर, राष्ट्रीय टूथ ब्रशिंग दिवस के अवसर पर किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उदयपुर की जनता के मौखिक स्वास्थ्य में सुधार लाना है। इस अवसर पर हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित, ज्ञान मन्दिर विद्यालय, में एक व्यापक मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 586 विद्यार्थियों का दंत परीक्षण किया गया। विद्यार्थियों को दाँत ब्रश करने की सही विधि सिखाई गई, ताकि वे कम उम्र से ही मौखिक स्वच्छता की सही आदतें विकसित कर सकें। गीतांजलि डेंटल के प्राचार्य, डॉ. बालाजी मनोहर ने बताया कि GDRI स्माइल उदयपुर पहल के अन्तर्गत गीतांजलि डेंटल द्वारा उदयपुर की जनता के लिए नियमित मौखिक स्वास्थ्य गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि गीतांजलि डेंटल एण्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट अपनी अनुभवी विशेषज्ञ टीम के साथ उदयपुरवासियों के मुख स्वास्थ्य की जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निभा रहा है। विद्यालय की प्राचार्या लीला पालीवाल ने इस पहल की सराहना की एवं ज्ञान मंदिर स्कूल के डायरेक्टर गजानन जी असावरा ने गीतांजलि डेंटल से एमओयू साइन किया तथा कहा कि ऐसे प्रयास विद्यार्थियों में दंत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी हैं। इस अवसर पर डॉ. मृदुला टाक, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. श्रुति शर्मा तथा नितिन गोस्वामी ने कार्यक्रम के सफल संचालन में सक्रिय योगदान दिया।

आबिद खान का टोल प्लाजा प्रशासन ने मनाया जन्मदिन

मोहम्मद अली पठान

झुंझुनू/जाबासर (रॉयल पत्रिका)। जाबासर के आबिद अली खान रायपुर टोल प्लाजा के सुपरवाइजर है। जिन्हें टोल प्लाजा प्रशासन ने कई बार अच्छे कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। आबिद अली खान एक ईमानदार कर्तव्य निष्ठा के साथ अपना कार्य बखूबी करते हैं और ईमानदारी के लिए इन्हें कई बार टोल प्लाजा प्रशासन ने सम्मानित भी किया है। एक दशक से यह है टोल प्लाजा पर कार्यरत हैं आज इनका टोल स्टाफ ने 30 वां जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया इस मौके पर इनके साथी टोल प्लाजा मैनेजर अंसार अहमद, अनुराग, उत्तम खींची, महबूब शेख, राकेश सिंह, उदयभान सिंह, आरिफ, जितेंद्र पलड़िया, संदीप भट्ट, कमल किशोर, सुनील, अशोक जाट, गोपाल लाल, जावेद भाई पत्रकार आदि ने केक काटकर फूलमाला एवं पगड़ी बांधकर जन्मदिन मनाया ओर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

कालाडेरा में शहरी सलाहकार समिति में तीन सदस्यों का हुआ मनोनयन

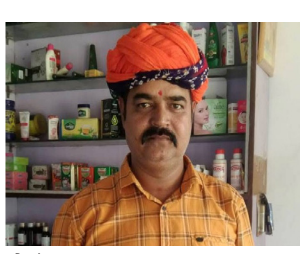

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले विभाग राजस्थान सरकार द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूँ में उचित मूल्य दुकान आवंटन सलाहकार समिति (शहरी स्तरीय समिति) नगरपालिका कालाडेरा में ग़ैर सरकारी सदस्यों के मनोनयन पर सुशील शर्मा निवासी छीपो का मोहल्ला, कालाडेरा, कैलाश चंद कुमावत निवासी वार्ड नंबर 3 कालाडेरा और रजनी देवी निवासी कालाडेरा को मनोनीत किया गया है। सलाहकार समिति में मनोनीत सदस्यों को पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की।

वंदे मातरम् के 150 गौरवशाली वर्ष पर महावीर ढाका को मिला विशेष सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में शनिवार को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस ऐतिहासिक अवसर पर पूरा परिसर देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत रहा।कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इसी क्रम में स्वतंत्रता सेनानी हरिराम जी ढाका के उत्तराधिकारी एवं समाजसेवी महावीर ढाका को उनके सामाजिक योगदान और सेवाभाव के लिए चूरू जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा द्वारा विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर मौजूद अतिथियों ने कहा कि महावीर ढाका का यह सम्मान न केवल उनके परिवार,बल्कि पूरे क्षेत्र और समाज के लिए गर्व का विषय है।कार्यक्रम में अर्पिता सोनी (एडीएम,चुरु), सुनील कुमार (एस डी एम, चुरु), बीजेपी नेता प्रदेश महामंत्री वासुदेव चावला, वसंत शर्मा जिलाध्यक्ष बीजेपी, दीनदयाल सैनी वंदे मातरम जिला संयोजक चूरू, सत्येंद्र सिंह जिलाध्यक्ष स्वतंत्रता सेनानी संगठन चुरु एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।केवल उनके परिवार,बल्कि पूरे क्षेत्र और समाज के लिए गर्व का विषय है।कार्यक्रम में अर्पिता सोनी (ए डी एम, चूरू), सुनील कुमार (एस डी एम, चुरु), बीजेपी नेता प्रदेश महामंत्री वासुदेव चावला, वसंत शर्मा जिलाध्यक्ष बीजेपी, दीनदयाल सैनी वंदे मातरम जिला संयोजक चूरू, सत्येंद्र सिंह जिलाध्यक्ष स्वतंत्रता सेनानी संगठन चूरू एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।ढाका को सम्मानित करने पर एम के शिक्षण संस्थान समूह के निदेशक इंजीनियर मनीष ढाका शारदा चौधरी, आंचल चौधरी,वरिष्ठ पत्रकार मनोज शर्मा, प्रिंसिपल संगीता शर्मा, आशा शर्मा, हिमांशु शर्मा एमके स्कूल के एमडी संजय शर्मा अकादमी हेड नेहा वर्मा ने बधाई प्रेषित की है।

शहर वासियों के लिए सैटेलाइट अस्पताल गढ़ परिषद से राहत की खबर

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर गढ़ स्थित सेटेलाइट अस्पताल में पिछले 22 दिनों से जारी धरने के फल स्वरूप सीएम एचओ डॉ. मनोज शर्मा धरना स्थल पहुंचे और तुरंत प्रभाव से आरजीएचएस सुविधा को प्रारंभ किया गया है। अब सेवानिवृत कर्मचारियों को यहां चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सकेगी साथ ही आगामी तीन दिनों में यहां खून जांच, यूरिन जांच, शुगर जांच, बीपी जांच की सुविधा शुरू होने का आश्वासन मिला है ओर एक महीने में सोनोग्राफी और एक्सरे की सुविधा शुरू होने का आश्वासन भी दिया गया है। अनेक संघठनों और समाज सेवको द्वारा इस प्रकरण को संबंधित उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाकर इसको क्रियान्वित करवाने में धरना स्थल पर बैठे सत्यनारायण व्यास ने सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के पक्ष में डोटासरा, जूली, धारीवाल सहित कई नेताओं ने किया जनसम्पर्क

-प्रमोद भाया ने भी किया कई गांवों का दौरा

-अशोक गहलोत करेंगे रविवार को रोड़ शो, आमसभा को संबोधित

शब्बीर हुसैन

बारां(रॉयल पत्रिका) । विधानसभा उप चुनाव ज्यों-ज्यों नजदीक आ रहे है, त्यो-त्यों चुनाव प्रचार व जनसम्पर्क अभियान चरम पर पहुंच रहा है। शनिवार 08 नवंबर को कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के पक्ष में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री एवं विधायक शांति कुमार धारीवाल, विधायक सी.एल. प्रेमी, चेतन पटेल सहित कई विधायकों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया द्वारा विधानसभा क्षैत्र के कई गांवों में जाकर मतदाताओं से जनसम्पर्क कर कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के पक्ष में मतदान की अपील की गई। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया द्वारा भी शनिवार 08 नवंबर को कई गांवों में जाकर जनसम्पर्क कर मतदाताओं से उनके पक्ष में मतदान की अपील की गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रविवार 09 नवंबर को कांग्रेस नेताओं के साथ अन्ता विधानसभा क्षैत्र के गांवों में रोड शो करते हुए मांगरोल शहर में पहुंचेगे जहां पर रोड शो के उपरान्त कांग्रेस प्रत्याषी के पक्ष में आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील करेंगे। अशोक गहलोत का रोड शो रविवार को प्रातः 10 बजे जैन तीर्थ, बमूलिया से प्रारम्भ होकर ग्राम बटावदी, बून्दी, बिजोरा, पलसावा, काचरी, पचेलखुर्द, पचेलकलां, सरकन्या, मूण्डली भैरूजी, महुआ, किशनपुरा होते हुए मांगरोल शहर में पहुंचेगा, जहां पर रोड शो उपरान्त कृषि उपज मण्डी प्रांगण, मांगरोल में आयोजित आमसभा को सम्बोधित किया जावेगा। जनसम्पर्क के दौरान प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि यह डबल इंजन की सरकार हर क्षैत्र में पूरी तरह से विफल हो चुकी है। झूंठे वादों व जुमलों के बहाने बनी इस सरकार के राज में सभी वर्ग त्रस्त है। किसानों का खाद के लिए लाईनों में लगना पड रहा है, उनको खाद के साथ अटेजमेन्ट लेने के लिए मजबूर होना पड रहा है। इस शासन में अपराधों में बेतहाशा बढोतरी हुई है तथा आमजन भगवान भरोसे है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अपने सम्बोधन में कहा कि जिस प्रदेश के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री एक साथ कई नजर नही आते है उनका इस विधानसभा उप चुनाव में एक साथ दिखाई देना जनता के लिए आश्चर्य की बात है। दो साल के दौरान दोनों नेता कही पर भी एक साथ नजर नही आए। यहां के भाजपा प्रत्याशी का नाम जारी करने में भी भाजपा नेताओं को काफी देरी इसी कारण करनी पडी। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने गांवों में जनसम्पर्क के दौरान कहा कि मेरे द्वारा सभी जाति, धर्म के लोगों को मेरा परिवार मानकर सेवा भाव से राजनीति करने का प्रयास किया है। जो लोग जाति, धर्म की बातें करते है यह वे लोग है जिन्होनें कभी जाति का भला किया ना कभी धर्म का भला किया। निर्दलीय प्रत्याषी बडी-बडी बाते करते है, इनसे पूछे कि यह छबड़ा में चुनाव लड़ने के बाद वहां के मतदाताओं के हाल पूछने गए भी हो तो। वहां के कई किसान भाईयों की डिपियां उठा ली गई तथा कई के खिलाफ पुलिस में मुकदमें दर्ज हो गए। भाया ने अंता विधानसभा की जनता से ज्यादा से ज्यादा वोट करने ओर उन्हें जिताने की अपील की।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

-कुमावत ने विद्यालय से छात्रावास तक निर्मित सड़क का किया उद्घाटन

मोहम्मद यासीन

पाली/सुमेरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पोमावा में चल रही तीन दिवसीय जिला स्तरीय केजीबीवी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत शामिल हुए। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुमेरपुर में आयोजित इस प्रतियोगिता में मंत्री कुमावत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में खेलों का बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि खेल खेलने से मनुष्य का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह का आजकल हमारा खानपान है, उससे हर उम्र में शरीर के फिटनेस पर ध्यान देने की जरूरत है। कुमावत ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल हमेशा बिना किसी द्वेष भावना से खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर आम व्यक्ति को अपने व्यस्त समय में से थोड़ा समय खेलों भी लगाना चाहिए। इसी मौके पर मंत्री कुमावत ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पोमावा में विधायक कोष से विद्यालय से छात्रावास तक निर्मित सड़क का उद्‌घाटन भी किया। जिसकी मांग कई समय से विद्यालय प्रशासन कर रहा था। इस मांग के पूर्ण होने पर विद्यालय प्रशासन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष पूनम सिंह, मंडल अध्यक्ष रविकांत रावल, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुमेरपुर की प्रधानाचार्य डिंपल चौधरी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पोमावा के प्रधानाचार्य राजीव चारण, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पोमावा की प्रधानाध्यापक व प्रतियोगिता की संयोजक अंजू बेबरवाल, भामाशाह भीखाराम माली, सुरेश सिंघल, विराग अग्रवाल, श्रवण सिंह राठी आदि मौजूद रहे।

इनरव्हील क्लब का सराहनीय प्रयास, बुज़ुर्गों के लिए प्रौढ़ शिक्षा केंद्र में जगाई ज्ञान की ज्योति

बारां (रॉयल पत्रिका) । इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष नीतू गुप्ता द्वारा चलाए जा रहे प्रौढ़ शिक्षा केंद्र में बुज़ुर्गों को शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस पहल के तहत कई वरिष्ठ नागरिकों ने पहली बार अपना नाम लिखना, पढ़ना और भगवान का नाम लिखना सीखा। इस विशेष प्रयास का उद्देश्य उन बुज़ुर्गों को शिक्षा से जोड़ना है, जिन्हें बचपन में पढ़ने का अवसर नहीं मिला। कार्यक्रम के दौरान सभी में सीखने का उत्साह और आत्मविश्वास देखा गया। अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बताया कि यह पहल केवल साक्षरता तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि "सीखने की कोई उम्र नहीं होती, और जब बुज़ुर्ग कलम उठाते हैं तो वह आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनते हैं। श्री कृष्ण पन्ना लाल मीणा, दिनेश कुमार, अनिल नागपाल, राजेंद्र पॉटर को 13 नवम्बर को चेयर मेन विजिट में सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने पढ़ाई में अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिया। साथ ही इनकी ट्रेनर जिन्होंने इन वयस्कों व बुज़ुर्गों के साथ पूरी मेहनत की उनको भी सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर मधुला मारू, शिल्पा अग्रवाल, नेहा गुप्ता, आराधना ओझा और ललिता टोंग्या, दिव्या जैन उपस्थित रहीं। सभी सदस्यों ने मिलकर इस प्रेरणादायक प्रयास में योगदान दिया और शिक्षार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

उल्लास के साथ समारोह पूर्वक मनाया गया वंदे मातरम्/150

-देश की आजादी आन्दोलन का प्राण गीत है वंदे मातरम्- जल संसाधन मंत्री

भरतपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जल संसाधन मंत्री एवं जिला प्रभारी सुरेश सिंह रावत के मुख्य आतिथ्य में मास्टर आदित्येन्द्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भरतपुर में देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह में 5 हजार से अधिक नागरिकों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत गाकर वंदे मातरम् /150 पर्व मनाया। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय चेतना के महान गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के हम साक्षी बन रहे हैं। यह गीत आजादी आन्दोलन का प्राण है। वंदे मातरम् गीत ने गुलामी के काल खंड में आजादी के आन्दोलन को धार देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि यह गीत हमारी संस्कृति की पहचान है। यह गीत आजादी के लाखों वीरों के लिए युद्धनाद बन गया था। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों को एक सूत्र में बांधते हुए वंदे मातरम हर आन्दोलन में राष्ट्रीयता की पहचान बन गया था। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् में हमारी धरती माता का गुणगान जीवन्त आत्मा के रूप में किया गया है। गीत के शुरूआती शब्दों में भारत माता को हरियाली से आच्छादित, जल और अन्न से सम्पन्न और अपनी संतान को वात्सल्य, सौन्दर्य और शक्ति प्रदान करने वाली एक देवी के रूप में चित्रित किया है। उन्होंने युवाओं को देश के प्रति निष्ठा, एकता और सम्मान को सर्वोच्च मानने का आव्हान करते हुए प्रकृति, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए तत्पर रहने को कहा। जिला प्रभारी मंत्री ने देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए किये गये प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि आज पूरा देश उनके जन्म की 150वीं जयन्ती मना रहा है। राष्ट्रीय एकता व अखंडता के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयासों से युवाओं को सीख लेकर देश की अखंडता के लिए प्रयास करने चाहिए। उन्होंने एकता मार्च में भाग लेने वाले सभी युवाओं को शुभकामनाऐं दी। समारोह में स्वतंत्रता सैनानी का सम्मान तथा स्काउट गाइड के स्टीकर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर सम्भागीय आयुक्त डॉ. टीना सोनी, जिला कलक्टर कमर चौधरी, जिला पुलिस अधीक्षक दिंगत आनन्द, अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा, शहर राहुल सैनी सहित सम्भाग एवं जिला स्तरीय अधिकारी, जन प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मांगरोल में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा की आमसभा में उमड़ा जनसैलाब

-सांसद हनुमान बेनीवाल, संजय सिंह सहित कई बड़ी हस्तियों ने मांगे नरेश के लिए वोट

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। अंता - मांगरोल विधानसभा उप चुनाव का प्रचार अंतिम दौर में है इसी के साथ अंता मांगरोल विधानसभा क्षेत्र में राज्य ही नहीं बल्कि देश के बड़े ओर कद्दावर नेताओं का जमावड़ा लगा हुआ है। शनिवार को निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के समर्थन में आयोजित जनसभा में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी(RLP) प्रमुख सांसद हनुमान बेनीवाल, आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह, राजस्थान के पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी, प्रदेशाध्यक्ष अशफाक हुसैन सहित उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश से कई विधायक और सांसद भी जनसभा में पहुंचे। सांसद हनुमान बेनीवाल ने मंच से बोलते हुए कहा कि नरेश मीणा किसान का बेटा है वो किसानों का दुःख दर्द समझता है, कांग्रेस ओर भाजपा वाले इसके पीछे पढ़े हैं आप लोग अपना कीमती वोट इसको दो हम सब मिलकर किसान भाइयों सहित प्रदेश के हर तबके के लिए आवाज उठाने में पीछे नहीं हटेंगे। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि इतनी बड़ी तादाद में लोगों को देख कर लग रहा है कि अब जनता कांग्रेस ओर भाजपा के षड्यंत्र को समझ चुकी हैं इस लिए इस बार बदलाव करने का मन बना लिया है आप सब मतदाता भाई नरेश के साथ डटे रहो। एसडीपीआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी और प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन ने मंच से बोलते हुए कहा कि सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ने नरेश मीणा को सबसे पहले समर्थन दिया था। जब से लेकर आज तक हमारा एक एक कार्यकर्ता इनके लिए डोर टू डोर जाकर मतदाताओं से समर्थन देने की अपील कर रहा है। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने बोलते हुए कहा कि एक किसान के बेटे को दोनों पार्टियों के ये बड़े नेता पचा नहीं पा रहे हैं। में जनता के आशीर्वाद से ही मैदान में हु और इनके आशीर्वाद से ही चुनाव में जीत दर्ज करूंगा। मुझे अंता मांगरोल विधानसभा क्षेत्र की जनता का जो प्यार मिल रहा है, उससे इन दोनों पार्टियों को बड़ी दिक्कत हो रही हैं। मांगरोल शहर में हुई इस विशाल जनसभा में हज़ारों की तादाद में लोग शामिल हुए।

भाजपा महिला मोर्चा का सघनजन संपर्क

-पारंपरिक गीतों से की वोट देने की मान मनुहार

बारां (रॉयल पत्रिका) । भाजपा की महिला मोर्चा की कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीयों ने महिला मोर्चा प्रवासी व जिला अध्यक्ष झालावाड़ रंजीता पांडे, बारां भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश हाडा की अगुवाई मे सीसवाली मंडल के गांव पटपड़ा ,तीसाया, कनाडा, श्रीनाल,धूमदखेड़ी, रामपुरिया जाकर व्यापक जनसंपर्क किया लोकगीत गाकर भाजपा के पक्ष मे वोट देने के लिय मान मनुहार की जिसमें जिला उपाध्यक्ष इंदिरा सोनी, रेखा मेहता,किरण भार्गव दीपिका यादव प्रेमदुलरी, सिंपी गोयल स्नेहप्रभा गोयल व भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ने घर घर पहुँच कर संपर्क किया और सभी महिलाओं व ग्रामवासियों से 11 नवम्बर को कमल के फूल के निशान पर बटन दबाकर विजय बनाने के लिए निवेदन किया। इस अवसर पर चंद्रकला सुमन, पुष्पा नागर, गिरजा हाडा, अनीता नामा, रेखा शर्मा कई कार्यकर्ता मौजूद रही।

वंदे मातरम्@150 जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में वन्दे मातरम् का हुआ सामुहिक गायन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। वंदे मातरम्@150 के कार्यक्रमों की श्रृखला में जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को पुलिस लाईन मैदान में किया गया। इसमें 5230 से अधिक व्यक्तियों ने वन्दे मातरम् का सामुहिक गायन किया। स्वतत्रंता सेनानी शोभा राम गहरवार एवं परिजन जानकी टी. गोकलानी को सम्मानित किया गया। इसमें माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के सम्बोधन को सीधे प्रसारण के माध्यम से देखा गया। प्रतिभागियों को ऑनलाईन सहभागिता प्रमाण-पत्र भी जारी हुए। केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि वन्दे मातरम् देश के नागरिकों में चेतना जगाने वाला गीत है। वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत माता के प्रति श्रद्धा, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। यह गीत हमें हमारे कर्तव्य, कर्म और कर्मभूमि के प्रति सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि वंदे मातरम् के शब्दों में मां भारती की आत्मा बसती है। यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के समय हमारे महान क्रांतिकारियों के लिए ऊर्जा और बल का स्रोत बना। आज भी यह हर भारतीय के हृदय में वही उत्साह, गर्व और देशभक्ति का भाव जागृत करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रऋषि बंकिम चन्द्र चटर्जी की अमर कृति आनन्द मठ का यह गीत हमें हमेशा प्रेरणा देता आया है। इसके लिए मां भारती के सपूतों ने बलिदान दिए है। यह हमें मातृभूमि की सेवा के लिए संकल्पित करता है। सरकार सशक्त किसान के माध्यम से सशक्त भारत का निर्माण करने के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के द्वारा प्रकृति संरक्षण के लिए भी अभूतपूर्व कार्य किया गया है। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाणा ने कहा कि वंदे मातरम्@150 के आयोजन देश के प्रति समर्पण की भावना में वृद्धि करेंगे। राजकीय कार्यालयों एवं संस्थानों में आगामी 26 नवम्बर तक विविध आयोजन किए जाएंगे। उनमें प्रत्येक व्यक्ति को जोश एवं उत्साह के साथ भाग लेना चाहिए। जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में आदर्श विद्या निकेतन पुष्कर रोड़ की 28 बालिकाओं ने ज्योति खोरवाल के निर्देशन में राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन कराया। वन्दे मातरम् के सम्पूर्ण अन्तरों का गायन ऊर्जा दायक रहा। राजकीय केन्द्रीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने वन्दे मातरम् नृत्य प्रस्तुत किया।

वंदे मातरम्@150 वन्दे मातरम् रन का हुआ आयोजन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वंदेमातरम् रन एवं वंदेमातरम् थीम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम केकड़ी उपखण्ड मुख्यालय पर शुक्रवार को आयोजित किए गए। वंदे मातरम् रन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय केकड़ी से महाराणा प्रताप सर्किल तक समय प्रातः 7.30 बजे आयोजित की गई। इसमें शहर के आम नागरिक, युवा, विद्यार्थी, तथा विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया। इस देशभक्ति के कार्यक्रम में लगभग 350 से अधिक व्यक्तियों ने अपनी जन-भागीदारी निभाई। इसके साथ ही सायं 4 बजे वंदे मातरम् थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम नगरपालिका रंगमंच केकड़ी में आयोजित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् गायन से हुआ। इसी दौरान विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा एक से बढ़कर एक रगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम में पंचायत समिति प्रधान होनहार सिंह राठौड़, अति. जिला कलक्टर केकड़ी एवं उपखण्ड अधिकारी केकड़ी, पुलिस उपाधीक्षक केकड़ी तथा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी केकड़ी अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) की प्रगति का किया गया निरीक्षण

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के कार्यों का शुक्रवार का जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बन्धु एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ज्योति ककवानी द्वारा क्षेत्र में निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बन्धु द्वारा शुक्रवार को अजमेर दक्षिण विधान सभा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने मालियान सैनी पब्लिक विद्यालय में स्थित भाग संख्या 135,136,137 के मतदान केन्द्रों का अवलोकन किया। स्थानीय बीएलओ एवं सुपरवाईजर से प्रगति की जानकारी ली। इनके साथ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी गरिमा नरूला भी थी। इसी प्रकार भजनगंज क्षेत्र में भी परिगणना प्रपत्र के सम्बन्ध में स्थानीय निवासियों को जानकारी प्रदान की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा क्षेत्र में घर-घर जाकर परिगणना प्रपत्र को संग्रहित करने की प्रक्रिया को जांचा। मतदाताओं के साथ वार्तालाप किया। उन्होंने मतदाताओं को बताया कि मतदाता सूची के इस पुनरीक्षण में वर्ष 2002 की मतदाता सूचियों के आधार पर निर्वाचक मैपिंग की जा रही है। विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत निर्वाचन विभाग द्वारा प्रत्येक मतदाता के लिए परिगणना प्रपत्र (ईएफ) तैयार किए गए हैं। इनमें मतदाता के वर्तमान मतदाता सूची में दर्शाए गए आवश्यक विवरण शामिल होंगे। इसमें मतदाता का नाम, पता, विधानसभा क्षेत्र, भाग संख्या आदि पूर्व मुद्रित रहेगा। बीएलओ प्रत्येक मतदाता को परिगणना प्रपत्र वितरित करेंगे। बीएलओ वर्ष 2002 की मतदाता सूची के अनुसार मतदाता को अपने नाम अथवा अपने रिश्तेदार के नाम के साथ मिलान एवं लिंक करने में सहयोग करेंगे।

वंदे मातरम 150 अभियान का अलवर जिले में हुआ भव्य आयोजन

-वंदे मातरम प्रदर्शनी में दर्शाया गया राष्ट्रगीत के इतिहास की गौरव गाथा

-बाइक रैली के माध्यम से दिया गया देशभक्ति का संदेश

अलवर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभक्ति के अभियान 'वंदे मातरम/150' के जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन शुक्रवार को अलवर जिले के इंदिरा गांधी स्टेडियम में हुआ, इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने राष्ट्रगीत की गौरव गाथा व महापुरुषों के योगदान को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कहा कि वंदे मातरम हमारी राष्ट्रीय चेतना एवं अखण्डता का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थितजनों को आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी के संकल्प की शपथ दिलाई एवं वीरांगनाओं का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

प्रदर्शनी में दर्शाया राष्ट्रगीत की पृष्ठभूमि एवं महापुरूषों के योगदान-

इंदिरा गांधी स्टेडियम में जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के द्वारा लगाई गई वंदे मातरम/150 प्रदर्शनी का उद्घाटन जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला व पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी सहित जनप्रतिनिधिगणों ने फीता काटकर किया। प्रदर्शनी में राष्ट्रगीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका और राष्ट्रीय एकता का संदेश एवं महापुरूषों का योगदान पर आधारित चित्र लगाए गए, जिसको आमजन एवं विद्यालयों के बालक-बालिकाओं ने उत्साह के साथ देखा। प्रदर्शनी में आए लोगों ने प्रदर्शनी को ऐतिहासिक एवं ज्ञानवर्धक बताया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह लिया तथा राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से सभी में देशभक्ति की भावना का संचार हुआ। जिला कलक्टर ने आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी के संकल्प की शपथ दिलाई। शिक्षाविद् दिनेश शर्मा द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम की पृष्ठभूमि पर तैयार किया गया ऑडियो का प्रसारण किया गया।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर भीलवाड़ा मे उमड़ी राष्ट्रभक्ति की भावना

-प्रभात फेरी, दौड़, बाइक रैली और प्रदर्शनी में गूंजा वंदे मातरम् का जयघोष

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में भीलवाड़ा जिले में राष्ट्रभक्ति और जनसहभागिता से ओत-प्रोत कार्यक्रमों का शुक्रवार को आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला मुख्यालय वंदे मातरम् के स्वर से गूंज उठा। छात्र-छात्राओं, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लेकर देशभक्ति का परिचय दिया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर निगम टॉउनहॉल में आयोजित—

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नगर निगम टॉउनहॉल में जिला स्तरीय कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी एवं जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने किया। कार्यक्रम में मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना, सहाड़ा विधायक लादूलाल पितलिया, प्रशांत मेवाड़ा, जिला परिषद सीईओ चंद्रभान सिंह भाटी, एडीएम सिटी प्रतिभा देवठिया, उपखंड अधिकारी अक्षत सिंह सहित अन्य अधिकारी, विद्यार्थी व आमजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर इसकी सराहना करते हुए जनसहभागिता को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया और कहा कि वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, भारत की आज़ादी की लड़ाई , राष्ट्रभावना और स्वदेशी विचार की सबसे बड़ी प्रेरणा रहा है। देश के इतिहास में यह गीत बलिदान, त्याग और देशभक्ति का जीवंत प्रतीक है। आजादी के आंदोलन में असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम् के उदघोष से प्रेरित होकर मातृभूमि के लिए सर्वस्व अर्पित किया और यह गीत गाते—गाते आजादी के दीवाने फांसी के फंदे पर झूल गए।

प्रभात फेरी, दौड़ व बाइक रैली से गूंजा शहर—

शुक्रवार प्रातः 6 बजे जिला कलेक्ट्रेट से राजेन्द्र मार्ग विद्यालय तक प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने तिरंगा लहराते हुए राष्ट्रभक्ति के नारे लगाए। साथ ही दौड़ कार्यक्रम कलेक्ट्रेट से पुलिस लाइन तक तथा बाइक रैली पुलिस लाइन से कंट्रोल रूम तक आयोजित हुई।

8 नवम्बर को जिले के विभिन्न गांवों में आयोजित होंगे ग्रामीण सेवा शिविर

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार ग्रामीणों की समस्याओं का निदान गांव में ही हो, इस बात को लेकर सरकार द्वारा ग्रामीण सेवा शिविर 2025 जारी हैं। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि जिले के विभिन्न उपखण्ड क्षेत्रों की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किये जा रहे हैं, जिसमें 16 विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर रहकर आमजन की समस्याओं का निदान किया जा रहा है। जिला कलक्टर ने समस्त उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्रामीण सेवा शिविर को गंभीरतापूर्वक लेकर अधिकतम समस्याओं का मौके पर ही निष्पादन किया जाये। उपखण्ड गंगानगर में 8 नवम्बर को गांव 6 एलएनपी एवं साधुवाली, उपखण्ड सूरतगढ़ क्षेत्र के गांव ऐटा और सरदारपुरा खर्था में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

वंदे मातरम@150: प्रभात फेरी के साथ कार्यक्रमों की हुई शुरुआत

-साइकिल धावक, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड के प्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और पुलिस के जवानों ने निभाई भागीदारी

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर वंदे मातरम@150 कार्यक्रमों की शुरुआत शुक्रवार को प्रभात फेरी से हुई। भारत माता की जयघोष और वन्दे मातरम के नारों के बीच संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, महानिरीक्षक पुलिस हेमंत शर्मा, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर ने जूनागढ़ के आगे से हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। प्रभात फेरी में सबसे आगे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साइकिल धावक रहे। पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे रोबिलों ने भी इसमें भागीदारी निभाई। इसके बाद पुलिस के जवानों, एनएसएस, एनसीसी और स्काउट गाइड के प्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी और आमजन का कारवां यहां से रवाना होकर शहीद स्मारक पहुंचा, जहां शहीदों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का सम्मान किया गया। प्रभात फेरी के सभी प्रतिभागी यहां से रवींद्र रंगमंच पहुंचे। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर रंगोलियां सजाई गई। कार्यक्रम में बीकानेर विकास प्राधिकरण आयुक्त अपर्णा गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) सुरेश कुमार यादव, अतिरिक्त कलेक्टर (नगर) रमेश देव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एलडी पंवार, जिला शिक्षा अधिकारी किशन दान चारण, महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना, महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक सुभाष बिश्नोई, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक बीरमाराम, सीओ स्काउट जसवंत राजपुरोहित सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वन्दे मातरम@150: रवींद्र रंगमंच पर आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री तथा जिला प्रभारी गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में किया राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर वंदे मातरम@150 का जिला स्तरीय समारोह शुक्रवार को रवींद्र रंगमंच पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में बीकानेर (पूर्व) विधानसभा क्षेत्र विधायक सुश्री सिद्धि कुमारी, संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि, सुमन छाजेड़, कार्यक्रम के संभाग प्रभारी तथा नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष महावीर रांका, पूर्व उपमहापौर राजेंद्र पवार, पूर्व पार्षद नरेश जोशी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी तथा आमजन मौजूद रहे। कार्यक्रम में चूरू, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के जनप्रतिनिधियों ने भी शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत के सामूहिक गान के साथ हुई। सभी ने देशभक्ति की भावना के साथ राष्ट्रगीत का गायन किया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। इससे पहले चिकित्सा मंत्री खींवसर का केसरिया साफा पहनकर नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष महावीर रांका ने स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में नई दिल्ली में तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जयपुर में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का संचालन गोपाल जोशी ने किया।

चिकित्सा मंत्री ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन-

इससे पहले चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा रवींद्र रंगमंच पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में 29 चित्रों के माध्यम से वंदे मातरम के इतिहास तथा वंदे मातरम गीत के संबंध मंक विशिष्ट जनों के वक्तव्य को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान चिकित्सा मंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा डेढ़ सौ वर्ष पूर्व लिखे इस गीत ने देश की आजादी चेतना जागृत की।

पृथ्वीराज एसएसएमबी 29 में कुम्भा के किरदार में आएंगे नजर

मुंबई। एसएस राजामौली की मच अवेटेड आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' से अब अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन का लुक सामने आया है। साथ ही मेकर्स ने उनके किरदार के नाम की भी घोषणा कर दी है। मेकर्स ने शुक्रवार को पृथ्वीराज सुकुमारन का लुक रिवील किया है। फिल्म की अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें पृथ्वीराज सुकुमारन एक व्हील चेयर जैसी एक कुर्सी पर बैठे हैं, जो एक रोबोट मालूम पड़ती है। क्योंकि इसके पीछे से रोबोट की तरह हाथ निकले हुए हैं। पृथ्वीराज इस कुर्सी पर काले रंग का सूट पहने हुए बैठे हैं। वो कैमरे की ओर काफी गुस्से से देख रहे हैं। उनको देखकर ऐसा लग रहा है, जैसे वो पैरालाइज्ड हैं। इसके साथ ही उनके किरदार का नाम भी सामने आया है। उनके किरदार का नाम 'कुम्भा' है। इसको शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा है, 'उठिए और कुम्भा' से मिलिए।

लाइफ Style

जान्हवी

पेद्दी का पहला गाना चिकिरी-चिकिरी रिलीज

संगीतकार एआर रहमान और गायक मोहित चौहान द्वारा तैयार किया गया गाना 'चिकिरी-चिकिरी'रिलीज हो गया है। यह सॉन्ग राम चरण और जान्हवी कपूरी की आगामी फिल्म पेद्दी का है। इसमें अभिनेता के अनोखे डांस और जान्हवी कपूर के ठुमके दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं।

एजेंसी ▶▶| मुंबई

'चिकिरी चिकिरी' गाने के वीडियो में साउथ अभिनेता राम चरण को शानदार हुक स्टेप करते हुए देखा जा सकता है। एक्टर के लंबे बाल, दाढ़ी और अलबेले डांस स्टेप्स दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। इस गाने में जान्हवी कपूर की बात की जाए तो वो बिल्कुल बेफिक्र अंदाज में दिख रही हैं। उनके डांस मूव्स नेटिजंस को आकर्षित कर रहे हैं। 'चिकिरी चिकिरी' गाने में एआर रहमान ने संगीत दिया है। वहीं इसे आवाज दी है मोहित चौहान ने। गायक के सुरीली आवाज ने इस गाने को और भी खास बना दिया है, जिससे ये एक बेहतरीन म्यूजिकल ट्रैक बन गया है। यह फिल्म 27 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को सभी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

'पेद्दी' में राम चरण और जान्हवी कपूर के अलावा दिव्येंदु शर्मा, शिव राजकुमार और जगपति बाबू भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन बुचि बाबू सना द्वारा किया जा रहा है। वहीं इस फिल्म का निर्माण सुकुमार राइटिंग्स, मैत्री मूवी मेकर्स और टी-सीरीज द्वारा हो रहा है। वहीं इसे वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले संयुक्त रूप से तैयार किया जा रहा है। फिल्म में ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान संगीत तैयार कर रहे हैं, रत्नवेलु छायांकन, कोल्ला अविनाश कला निर्देशन और नवीन नूली संपादन का काम संभाल रहे हैं।

हॉलीवुड मसाला

एआई की वजह से एग्जाम में हो गईं फेल

लॉस एंजिल्स। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) का क्रेज समय-समय के साथ-साथ बढ़ता जा रहा है। ऑफिस के काम करने से लेकर पढ़ाई करने तक, कई कामों में यह काफी उपयोगी है। हालांकि, रियलिटी स्टार किम कार्दशियन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर एक ऐसा खुलासा किया है, जो लोगों को हैरान कर रहा है। उन्होंने बताया कि कैसे चैटजीपीटी ने उन्हें लॉ की पढ़ाई के दौरान टेस्ट में फेल करवाया। किम ने बताया है कि वह लीगल सलाह के लिए ओपनएआई के चैटबॉट चैटजीपीटी का इस्तेमाल करती हैं। वह अक्सर कानूनी सवालों की तस्वीरें खींचकर चैटजीपीटी पर अपलोड करती हैं। हालांकि, इसके बाद भी चैटजीपीटी उनका भरोसेमंद स्टडी पार्टनर साबित नहीं हुआ।

'किंग ऑफ पॉप' की बायोपिक माइकल का टीजर रिलीज

लॉस एंजिल्स। 'किंग ऑफ पॉप' माइकल जैक्सन का कॅरियर भले ही विवादों से घिरा रहा हो, लेकिन इतना तो जरूर है कि दुनिया में उन जैसा ना कोई था, ना कोई है और ना ही कभी कोई होगा। 29 अगस्त 1958 में पैदा हुए माइकल की 25 जून 2009 को 50 साल की उम्र में मौत हो गई। अब निधन के 16 साल बाद माइकल जैक्सन पर बायोपिक आ रही है, नाम है 'माइकल', जिसका टीजर रिलीज हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि माइकल जैक्सन के भतीजे जाफर जैक्सन इस फिल्म में अपने चाचा 'किंग ऑफ पॉप' का किरदार निभा रहे हैं। माइकल जैक्सन की यह बायोपिक अगले साल 2026 में रिलीज होने वाली है। 29 साल के जाफर जैक्सन खुद भी एक सिंगर, डांसर और एक्टर हैं। वह माइकल जैक्सन के भाई जर्मेन जैक्सन के बेटे हैं। फिल्म के टीजर की शुरुआत एक रिकॉर्डिंग बूथ से होती है, जहां हमें युवा माइकल दिखते हैं। एक आवाज उनसे कहती है, 'मुझे पता है कि आप इसका लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।' 'माइकल' फिल्म में माइल्स टेलर, वकील जॉन ब्रैंका की भूमिका निभा रहे हैं। पिछले दिनों एंडी कोहेन के टॉक शो में उन्होंने स्वीकार किया कि बचपन में वे माइकल के 'बहुत बड़े फैन' थे।

चार साल बाद रूसी फिल्म से करेंगी वापसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा बत्रा अब बॉलीवुड नहीं, बल्कि एक रूसी फिल्म से कमबैक कर रही हैं। शुक्रवार को पूजा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर रूसी फिल्म 'द मैजिक लैंप' की खास झलक शेयर की है। पूजा ने अपनी नई रूसी फिल्म 'द मैजिक लैंप' के सेट से कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। उन्होंने इस फिल्म का हिस्सा बनने की खुशी जताई और कहा कि कला और फिल्मों की कोई सीमा नहीं होती। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा कि इस प्रोजेक्ट में काम करके उन्हें बहुत मजा आया। पूजा ने फिल्म निर्माता जो राजन के साथ मिलकर एक अंग्रेजी लघु फिल्म 'इकोज ऑफ अस' भी बनाई है। यह फिल्म प्रेम, दुख और मानवीय रिश्तों की कहानी है, जिसमें कथित तौर पर सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर हैं। यह यूलिया की पहली फिल्म है।

42 साल की उम्र में दिया बेटे को जन्म

मुंबई। बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल में से एक कटरीना कैफ और विक्की कौशल अब माता-पिता बन गए हैं। कटरीना ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है, जो बेटा है। खुद कपल ने अपने चाहने वालों के साथ इस गुड न्यूज को शेयर किया है। विक्की कौशल और 42 वर्षीय कटरीना ने अपने-अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में एक ग्रीटिंग कार्ड सा है, जिस पर एक बच्चा बना हुआ है और बड़ा सा बेबी बॉय लिखा हुआ है। इस पर लिखा है, 'हमारी झोली खुशियों से भर गई है। बड़े प्यार और दुलार से हम अपने बेबी बॉय का स्वागत करते हैं।' इसके साथ ही विक्की कौशल ने कैप्शन में सिर्फ ब्लेस्ड लिखकर रेड हार्ट इमोजी और ओम बनाया है। कटरीना कैफ ने 23 सितंबर 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी।

टीवी मसाला

12.50 लाख के सवाल पर अटकी कंटेस्टेंट 2 लाइफ लाइन भी नहीं आईं काम

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति 17 के 6 नवंबर के एपिसोड में महाराष्ट्र की कंटेस्टेंट को हॉटसीट पर बैठने का मौका मिला। वे स्टेट लेवल का ब्यूटी कॉन्टेस्ट जीत चुकी हैं। उन्होंने नेशनल लेवल पर अपने राज्य को रीप्रेजेंट भी किया है। अमिताभ बच्चन भी उनकी प्रतिभा से इंप्रेस नजर आए। उन्होंने शुरुआती 10 सवालों के जवाब देने के लिए सिर्फ एक लाइफ लाइन का इस्तेमाल किया। कंटेस्टेंट 5 लाख रुपए के 10वें सवाल पर किसी लाइफ लाइन का इस्तेमाल नहीं किया था। सवाल है- 'प्रथम खो को विश्व कप 2025 के फाइनल में, भारतीय पुरुष और महिला, दोनों टीमों ने किस टीम को हराकर अपना-अपना खिताब जीता?' विकल्प हैं- ए. नेपाल बी. केन्या सी. ऑस्ट्रेलिया डी. ईरान। उन्होंने विकल्प ए. नेपाल को चुना, जो सही है। कंटेस्टेंट से अमिताभ ने 12.50 लाख रुपए का सवाल किया, जो स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा है। सवाल है- 'किस स्वतंत्रता सेनानी की मृत्यु स्वतंत्रता संग्राम में योगदान के लिए एक बम का परीक्षण करते समय हुई थी?' विकल्प हैं- ए. भगवती चरण वोहरा बी. सचिंद्र नाथ सान्याल सी. राजेंद्र लाहिरी, डी. सचिंद्र बक्षी। कंटेस्टेंट ने जवाब देने के लिए अपनी दोनों लाइफ लाइन 50-50 और संकेत सूचक का इस्तेमाल किया, लेकिन इससे उन्हें ज्यादा फायदा नहीं पहुंचा। हालांकि, उन्होंने विकल्प सी. राजेंद्र लाहिरी पर ताला लगाने के कहा, जो गलत साबित हुआ। इसका सही जवाब विकल्प ए. भगवती चरण वोहरा है। कंटेस्टेंट 5 लाख रुपए जीतकर घर लौटीं।

इस वीकेंड बनेगा एक्शन, थ्रिल और ड्रामा से खास

नई दिल्ली। वीकेंड नजदीक आते ही ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर नई कंटेंट की बौछार हो गई है। राजनीतिक ड्रामा से सुपरहीरो एक्शन, रोमांस से फैमिली ड्रामा तक... इस हफ्ते नेटफ्लिक्स, प्राइम वीडियो, जीयोहॉटस्टार, सोनी लिव और जी5 जैसी सर्विसेज पर वैरायटी से भरपूर रिलीज आ रही हैं। मार्वल के 'द फैंटास्टिक फोर: फर्स्ट स्टेप्स' से लेकर ह्यूमा कुरैशी की 'महारानी सीजन 4' तक, ये कलेक्शन बिंज-वॉचिंग मूड को परफेक्टली सूट करेंगे। हुमा कुरैशी 'रानी भारती' के रोल में लौट गई हैं। सोनी लिव 'महारानी सीजन 4' आ गया है। 90s की घटनाओं पर बेस्ड यह पॉलिटिकल थ्रिलर में रानी प्रधानमंत्री को चैलेंज करती है, बिहार की सत्ता हासिल करने के लिए स्ट्रैटेजी अपनाती है। द फैंटास्टिक फोर- फर्स्ट स्टेप्स: बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली मार्वल की यह फिल्म अब डिजिटल पर आ गई। पेड्रो पास्कल और वैनसा किर्बी स्टारर में चार हीरोज, रीड रिचर्ड्स, सू स्टॉर्म, जॉनी स्टॉर्म और बेन ग्रिम गैलेक्टस नामक बुरे एलियन से धरती बचाते हैं। नेटफ्लिक्स 7 नवंबर को जैकब एलोर्डी और ऑस्कर आइजैक स्टारर फिल्म 'फ्रैंकनस्टीन' लॉन्च हो गया है।

प्रसिद्ध मॉडल, एक्ट्रेस और इंटीरियर डिजाइनर थीं जरीन

मुंबई। संजय खान की पत्नी जरीन कटरक का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं। शुक्रवार की सुबह मुंबई स्थित अपने आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली। जरीन के परिवार में उनके पति और बच्चे सुजैन खान, सिमोन अरोड़ा, फराह अली खान और जायेद खान हैं। वो ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान की मां थीं। जरीन हिंदी फिल्मों में भी दिखाई दीं, जिनमें तेरे घर के सामने (1963) जैसी फिल्में शामिल थीं, जहां उन्होंने देव आनंद के साथ काम किया था। जरीन कटरक एक प्रसिद्ध मॉडल, एक्ट्रेस और इंटीरियर डिजाइनर थीं जिन्होंने 1960 और 1970 के दशक में अपनी पहचान बनाई। अपनी सुंदरता और संतुलन के लिए जानी जाने वाली, वह उन शुरुआती चेहरों में से एक थीं जिन्होंने भारत के फैशन को आकार देने में मदद की। जरीन हिंदी फिल्मों में भी दिखाई दीं, जिनमें तेरे घर के सामने (1963) जैसी फ़िल्में शामिल थीं, जहां उन्होंने देव आनंद के साथ काम किया था। हालांकि, संजय खान से अपनी शादी के लिए भी वो जानी जाती थीं।

जरीन और संजय खान की शादी

दोनों ने 1960 में शादी कर ली और बॉलीवुड में सबसे ग्लैमरस जोड़ियों में से एक बन गए। अपने जीवन की चकाचौंध के बावजूद, जरीन ज़्यादातर लाइमलाइट से दूर रहीं और अपने परिवार और घर पर ध्यान दिया। वह सुजैन खान, जायेद खान और फैशन डिजाइनर फराह खान अली की मां भी हैं। सार्वजनिक पहचान से परे, जरीन को उनकी सुंदरता, कला और बिजनेस के बीच शालीनता बनाए रखने के लिए भी सराहा गया।

सुजैन खान ने मां को किया विश

2021 में, सुजैन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी मां के जन्मदिन पर उनके साथ तस्वीरें शेयर कीं। सुजैन ने लिखा, 'मजबूत महिलाएं पीड़ित नहीं बनतीं, वे खुद को दयनीय नहीं दिखातीं। उनके दिलों में तूफान आ सकता है, फिर भी उनकी मुस्कान प्यार और क्षमा से भरी होती है। बात यह है कि वे जीवन से बेहद प्यार करती हैं और समझती हैं कि शिकायत करने लायक कुछ भी नहीं है। मेरी मम्मी, आप शालीनता और शक्ति की प्रतिमूर्ति हैं। मैं आपकी बहुत आभारी हूं। जन्मदिन मुबारक हो मां, आप मेरी सबसे पसंदीदा इंसान हैं। हमने यह सब आपसे सीखा है।'

द फैमिली मैन 3 का ट्रेलर देख उत्साहित हुए फैंस

मुंबई। श्रीकांत तिवारी वापस आ रहे हैं। मनोज बाजपेयी की लोकप्रिय और सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। एक बार फिर श्रीकांत तिवारी अपनी टीम के साथ एक नए मिशन पर निकले हैं। हालांकि, इस बार कहानी में कई ट्विस्ट और नए एंगल देखने को मिलेंगे। फैंस इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। द फैमिली मैन' राज और डीके द्वारा निर्मित व निर्देशित है। यह 21 नवंबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगा। एक यूजर ने 'द फैमिली मैन 3' के ट्रेलर की तारीफ की है। यूजर ने कहा कि 'द फैमिली मैन' इकलौती भारतीय सीरीज है, जिसने कभी निराश नहीं किया। एक अन्य यूजर ने नए सीजन की कास्ट की तारीफ करते हुए लिखा कि इस बार सीरीज और भी बड़े स्तर पर नजर आ रही है। जयदीप अहलावत और मनोज बाजपेयी की टक्कर का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। कुछ नेटिजेंस ने सीजन 3 को पिछले दोनों सीजन से बड़ा और अधिक खतरनाक बताया है। दर्शकों का कहना है कि यह सीजन सबसे अलग होने वाला है। मनोज बाजपेयी को देखकर दर्शक उत्साहित हैं और उनके काम की तारीफ कर रहे हैं।

बंकिमचंद्र चटर्जी ने वंदे मातरम गीत की रचना 7 नवंबर 1875 को की थी

इन फिल्मों में अलग-अलग अंदाज में सुनाई दिया राष्ट्रगीत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को 150 वर्ष पूरे हो गए हैं। 7 नवंबर को देशभर में इसका जश्न मनाया गया। इस गीत की रचना बंकिमचंद्र चटर्जी ने 1875 में 7 नवंबर को अक्षय नवमी के शुभ अवसर पर की थी। यह गीत चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ में पहली बार दिखाई दिया था। कई चर्चित फिल्मों में भी 'राष्ट्रीय गीत' अलग-अलग अंदाज में सुनने को मिला है।

आनंद मठ

आमतौर पर देशभक्ति फिल्मों या किसी फिल्म के देशभक्ति वाले दृश्यों को फिल्माते वक्त राष्ट्र गीत वंदे मातरम को बैकग्राउंड में बजाया जाता रहा है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम को लिखा, जिसके बाद इसमें धीरे-धीरे बदलाव देखा गया। बदलाव की यह शुरुआत बॉलीवुड में भी समय के साथ देखी गई। सबसे पहले 'वंदे मातरम' गीत को साल 1952 में आई फिल्म 'आनंद मठ' में लता मंगेशकर ने गाया, जिसकी धुन को एक नए धागे में हेमंत कुमार ने पिरोया।

कभी खुशी कभी गम

शाहरुख खान, ऋतिक रोशन, काजोल, करीना कपूर, अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, रानी मुखर्जी अभिनीत यूं तो यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है, मगर इसमें भी 'वंदे मातरम' गीत सुनाई दिया। यह गाना ऐसे पल पर सुनने को मिला कि दर्शक न सिर्फ भावुक हो गए, बल्कि देशभक्ति की भावना उमड़ उठी। इस फिल्म में उषा उत्थुप और कविता कृष्णमूर्ति ने यह गीत गाया।

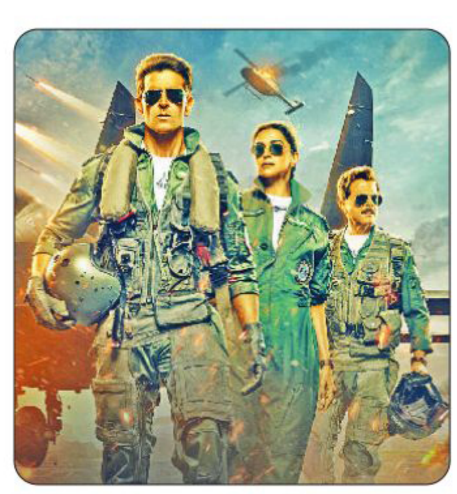

फाइटर

ऋतिक रोशन, अनिल कपूर और दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म 'फाइटर' में भी 'द फाइटर एंथम' के रूप में वंदे मातरम सुनने को मिला। यह एक देशभक्ति एक्शन फिल्म है।

मां तुझे सलाम

साल 1997 में ए.आर. रहमान के प्रतिष्ठित और व्यापक रूप से लोकप्रिय गैर-फिल्मी एल्बम ट्रैक में 'वंदे मातरम' टाइटल ट्रैक के रूप में पेश किया गया।

ऑपरेशन वैलेंटाइन

मानुषी छिल्ली और वरुण तेज अभिनीत यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। इसमें सुखविंदर सिंह द्वारा गाया गया 'वंदे मातरम' गीत सुनने को मिला। इसके अलावा साल 2019 में आई 'इंडियाज मोस्ट वॉन्टेड' फिल्म में भी राष्ट्रगीत बजा। पापोन, अल्तमश फरीदी और अमित त्रिवेदी द्वारा गाए गए गीत का वर्जन शामिल किया गया।

सलाकार

इसी साल आई हिंदी जासूसी फिल्म 'सलाकार' में भी 'वंदे मातरम' काफी अलग लेकिन रोचक अंदाज में सुनने को मिला। सूर्य शर्मा, नवीन कस्तुरिया और मौनी रॉय अभिनीत यह फिल्म अगस्त में रिलीज हुई थी।

एबीसीडी 2

साल 2015 में आई इस फिल्म में 'वंदे मातरम' को इसके साउंडट्रैक में शामिल किया गया। इसे काफी अलग, लेकिन दिलचस्प अंदाज में पेश किया गया है।

ऑपरेशन वैलेंटाइन

मानुषी छिल्ली और वरुण तेज अभिनीत यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। इसमें सुखविंदर सिंह द्वारा गाया गया 'वंदे मातरम' गीत सुनने को मिला। इसके अलावा साल 2019 में आई 'इंडियाज मोस्ट वॉन्टेड' फिल्म में भी राष्ट्रगीत बजा। पापोन, अल्तमश फरीदी और अमित त्रिवेदी द्वारा गाए गए गीत का वर्जन शामिल किया गया।

रोमियो अकबर वाल्टर

साल 2019 में आई जॉन अब्राहम अभिनीत इस फिल्म में 'वंदे मातरम' को सोनू निगम ने सुरीली आवाज में गाया। इस स्पाई थ्रिलर फिल्म में राष्ट्र गीत के इस वर्जन को बतौर साउंडट्रैक इस्तेमाल किया गया।

वंदे मातरम फिल्म

साल 1985 में राष्ट्रीय गीत के नाम पर एक तेलुगु फिल्म बनाई गई। टी. कृष्णा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विजयशांति और डॉ. राजशेखर लीड रोल में नजर आए।

विश्व विजेता बेटियों का सम्मान : स्मृति, जेमिमा और राधा को महाराष्ट्र सरकार ने दिए 2.25 करोड़

एजेंसी ▸▸| मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारतीय महिला विश्व कप विजेता टीम की सदस्य स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव को सम्मानित करते हुए प्रत्येक को 2.25 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार दिया। दक्षिण मुंबई स्थित मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'वर्षा' में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान फडणवीस ने तीनों को 'महाराष्ट्र का गौरव' बताया और कहा कि टीम की जीत युवा लड़कियों को खेलों में शामिल होने के साथ वैश्विक मंच पर चमकने के लिए प्रेरित करेगी। फडणवीस ने कहा, 'आपने महाराष्ट्र को गौरवान्वित किया है। आपकी जीत से राज्य में खुशी का माहौल है।

कोच मजूमदार को 22.5 लाख रुपए का चेक

क्रिकेट टीम के कोच अमोल मजूमदार को 22.5 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया जबकि सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 11 लाख रुपए दिए गए। गेंदबाजी कोच आविष्कार साल्वी, पूर्व दिग्गज क्रिकेटर डायना एडुल्जी, विश्लेषक अनिरुद्ध देशपांडे, लॉजिस्टिक्स समन्वयक अपर्णा गंभीरराव और सहयोगी स्टाफ सदस्य मिहिर उपाध्याय, पूर्वा काटे और ममता शिरुरुल्ला इस मौके पर मौजूद थे।

महाराष्ट्र ने हमेशा हमारा समर्थन किया : मंधाना

उप-कप्तान मंधाना ने राज्य के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'हमें आमंत्रित करने और सम्मानित करने के लिए धन्यवाद और वो भी मुंबई में जो इसे और भी खास बनाता है। महाराष्ट्र ने हमेशा हमारा समर्थन किया है। 2017 में भी जब हम उपविजेता रहे थे तब भी हमें सम्मानित किया गया था। हमारे कई सहयोगी स्टाफ इसी राज्य से हैं। उनकी कड़ी मेहनत के बिना यह जीत संभव नहीं होती।'

सीएम चंद्रबाबू नायडू से मिली श्रीचरणी

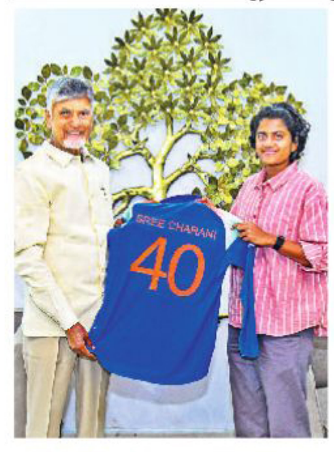

अमरावती में भारतीय क्रिकेटर श्रीचरणी और पूर्व कप्तान मिताली राज ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और राज्य के मानव संसाधन विकास एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश से मुलाकात की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने श्रीचरणी को भारत की महिला विश्व कप जीत पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने श्रीचरणी से कहा कि महिला विश्व कप जीतकर उन्होंने भारतीय महिलाओं की शक्ति का परिचय दिया है। वह महिला एथलीट्स के लिए एक आदर्श बन गई हैं। मुख्यमंत्री नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर श्रीचरणी और पूर्व कप्तान मिताली राज के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, भारत को विजेता बनाने वालीं स्पिनर के साथ सेल्फी। श्रीचरणी ने महिला विश्व कप 2025 में 9 मुकाबले खेलते हुए 27.64 की औसत के साथ 14 विकेट अपने नाम किए थे।

अमनजोत-हरलीन का चंडीगढ़ में भव्य स्वागत

चंडीगढ़। विश्व कप विजेता महिला क्रिकेट टीम की सदस्य अमनजोत कौर और हरलीन देओल का उनके गृहनगर पहुंचने पर उनके परिवारों और पंजाब की सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के शीर्ष नेताओं ने मिठाई खिलाकर और ढोल बजाकर स्वागत किया।

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और आप सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने हवाई अड्डे से बाहर आते ही दोनों खिलाड़ियों को मिठाई खिलाई और शॉल भेंट करके उनका सम्मान किया। अमनजोत ने कहा, 'यह जीत पूरे भारत, पूरे पंजाब की है।' उन्होंने यह भी कहा कि सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद टीम के सदस्य सोए नहीं थे। अमनजोत ने कहा, ' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल के बाद फाइनल में भी जीत दर्ज करने के बाद हम सोए नहीं थे।' देओल ने कहा कि उनके परिवार ने हमेशा उनके सपनों का समर्थन किया।

खबर संक्षेप

एनएसडब्ल्यू ओपन के सेमीफाइनल में रतिका

नई दिल्ली। भारत की रतिका सुथांतिरा सीलन ने सिडनी में स्थानीय प्रतिद्वंद्वी करेन ब्लूम को सीधे गेम में हराकर 'एनएसडब्ल्यू ओपन' स्क्वॉश टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त 24 वर्षीय चेन्नई की खिलाड़ी ने पीएसए चैलेंजर स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में करेन को 22 मिनट में 11-8, 11-7, 11-4 से हराया। इस बीच पांचवीं वरीयता प्राप्त वीर चोटरानी ने स्प्रिंगफील्ड (अमेरिका) में 32,000 डॉलर इनामी पीएसए कांस्य स्तर की स्पर्धा 'सेंट जेम्स एक्सप्रेशन' ओपन के अंतिम-16 मुकाबले में मिस्र के मोहम्मद शराफ को 11-7, 10-12, 11-5, 11-8 से हराया।

गलतियों से सबक लेकर अपने शॉट में किए सुधार

कैरारा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने हरफनमौला खेल से प्रभावित करने वाले भारतीय खिलाड़ी अक्षर पटेल ने कहा कि उन्होंने अपनी 'पिछली गलतियों' से सीख लेते हुए बाउंड्री के आकार को अपने शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया। अक्षर ने 11 गेंदों में एक चौका और एक छक्का की मदद से नाबाद 21 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान आखिरी ओवर में मार्कस स्टोइनिस के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 167 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। अक्षर ने गेंद से भी कमाल करते हुए दो विकेट चटकाए। भारत ने इस मैच को 48 रन से जीतकर श्रृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली। 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए अक्षर ने 'कहा, ' जाहिर है, मुझे पता था कि यह मुश्किल होगा क्योंकि लगातार विकेट गिर रहे थे।

गेंदबाजों का कहर, अफ्रीकी टीम 221 रन पर सिमटी

बेंगलुरु। मार्क्स एकरमैन की शतकीय पारी के बावजूद भारत ए ने दूसरे चार दिवसीय मैच में दूसरे दिन तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बूते दक्षिण अफ्रीका ए की पहली पारी को 221 रन पर समेट कर पहली पारी में 34 रन की बढ़त हासिल की। भारत 'ए' ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में तीन विकेट पर 78 रन बनाकर अपनी बढ़त को 112 रन तक पहुंचा दिया। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (26) के साथ कुलदीप यादव (शून्य) क्रीज पर मौजूद हैं। प्रसिद्ध कृष्णा (35 रन पर तीन विकेट), मोहम्मद सिराज (61 रन पर दो विकेट) और आकाशदीप (28 रन पर दो विकेट) ने बीसीसीआई उत्कृष्टता केंद्र की पिच का शानदार तरीके से इस्तेमाल करते करने हुए आपस में सात विकेट साझा किए, जिससे दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 221 रन पर सिमट गई।

आज दोपहर 1:45 बजे से भारत का विदेशी सरजमीं पर पांचवां टी-20

ऑस्ट्रेलिया दौरे का अंत प्रभावशाली ढंग से करने की कोशिश करेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▸▸| ब्रिसबेन

विदेशी सरजमीं पर एक और श्रृंखला जीतने की दहलीज पर खड़ी भारतीय टीम 8 नवंबर को पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर कर ऑस्ट्रेलिया दौरे का अंत प्रभावशाली ढंग से करने की कोशिश करेगी।

भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त के साथ ऑस्ट्रेलिया में 17 साल से कोई टी20 श्रृंखला नहीं गंवाने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इस दौरे का अंत जीत के साथ करने के लिए पूरा जोर लगाएगी। मैच में सबसे ज्यादा नजरें शुभमन गिल और सूर्यकुमार की बल्लेबाजी पर होंगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले भारत की स्पिन चुनौती का डटकर सामना करना चाहेगा।

गिल ने दिया लय में वापसी का संकेत

भारतीय टीम ने पिछले मैच में बेहतर रणनीतिक सूझबूझ दिखाई थी और कैरारा की मुश्किल पिच पर बल्लेबाजों ने अच्छा तालमेल बिठाया था। गिल ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई थी, जिससे भारत 14 ओवर में दो विकेट पर 121 रन के स्कोर के साथ मजबूत स्थिति में था। टीम ने हालांकि इसके बाद 15 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए थे। उपकप्तान गिल ने सात पारियों से अर्धशतक नहीं लगाया है लेकिन पिछले मैच में 46 रन के साथ उन्होंने ने लय में वापसी का संकेत दिया था।

टीम इंडिया का निचला क्रम प्रभावी

भारत का निचला क्रम भी प्रभावी रहा है। अक्षर पटेल ने पिछले मैच में 11 गेंदों में नाबाद 21 रनों की पारी खेली थी। सातवें और आठवें नंबर पर हरफनमौला खिलाड़ियों की मौजूदगी ने टीम को मजबूती प्रदान की है। अर्शदीप सिंह ने गेंदबाजी में एक बार फिर भारत के लिए अपनी उपयोगिता साबित की है, उन्होंने चार विकेट लिए हैं और जसप्रीत बुमराह के साथ नयी गेंद से प्रभावी जोड़ी बनाई है। कुलदीप यादव की अनुपस्थिति के बावजूद वरुण, अक्षर और वाशिंगटन की स्पिन तिकड़ी भारत की एक बड़ी ताकत रही है। शिवम दुबे और वाशिंगटन दोनों ने बल्ले और गेंद से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दुबे की 23 गेंदों में 49 रनों की पारी ने तीसरे टी20 को भारत के पक्ष में मोड़ दिया था वहीं चौथे मैच में वाशिंगटन के तीन रन पर तीन विकेट से भारत ने मुकाबला को जल्दी खत्म करने में सफल रही। दुबे ने इस मैच में भी 22 गेंदों में 18 रन भी बनाए और दो विकेट भी लिए।

हेजलवुड के हटने से पैनापन की कमी

हरफनमौला मैथ्यू शॉर्ट हेड की अनुपस्थिति में शीर्ष क्रम में प्रभावित करने का एक मौका गंवा दिया। वह शनिवार को अपनी गलतियों की भरपाई करने के लिए बेताब होंगे। जोश हेजलवुड के श्रृंखला से हटने के बाद घरेलू टीम के गेंदबाजी आक्रमण में पैनापन की कमी दिखी है। नाथन एलिस और एडम जम्पा ने ज्यादातर जिम्मेदारी संभाली है, लेकिन चौथे टी20 में बेन ड्वार्शिस को कोई विकेट नहीं मिला। मेजबान टीम आखिरी मैच में महली बियर्डमैन को पदार्पण का मौका देने पर विचार कर सकती है।

टीमें इस प्रकार

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया: मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम जम्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

1925 में हुआ था हॉकी महासंघ का गठन

हॉकी के दिग्गजों ने मनाया सौ साल पूरे होने का जश्न

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता 90 वर्ष के गुरबख्श सिंह से लेकर पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाले कप्तान हरमनप्रीत सिंह तक कई दिग्गजों ने भारतीय हॉकी के सौ साल पूरे होने के अवसर पर अपने अनुभवों को साझा किया। सौ वर्ष पहले 1925 में ग्वालियर में भारतीय हॉकी महासंघ का गठन हुआ था। आठ बार की ओलंपिक चैंपियन भारतीय हॉकी टीम के महानायकों को इस अवसर पर मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर सम्मानित किया गया, जिनमें ओलंपिक पदक विजेता गुरबख्श सिंह (1964 और 1968), हरबिंदर सिंह (1964, 1968 और 1972), अशोक कुमार (1972 ओलंपिक और 1975 विश्व कप), बीपी गोविंदा (1972 ओलंपिक और 1975 विश्व कप), असलम शेर खान (1975 विश्व कप), जफर इकबाल (1980 ओलंपिक) ब्रिगेडियर हरचरण सिंह (1972 ओलंपिक) के अलावा रोमियो जेम्स, असुंथा लाकड़ा और सुभद्रा प्रधान शामिल हैं। इस अवसर पर खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि हॉकी के जरिये ही ओलंपिक में भारत को पहचान मिली और दुनिया को दिखाया कि खेलों में हमारा देश क्या कर सकता है और तभी से हमने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

आज से साल्ट लेक स्टेडियम में बेटन कप

कोलकाता। बेटन कप का 126वां सत्र नव-उद्घाटित विवेकानंद युवा भारती हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें 22 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता है, जिससे यह देश का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम है। साल्ट लेक स्टेडियम परिसर में स्थित इस अत्याधुनिक सुविधा केंद्र का उद्घाटन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया। दुनिया की सबसे पुरानी हॉकी चैंपियनशिप में देश के कई वर्तमान और पूर्व ओलंपियन और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मैदान पर चुनौती पेश करते हुए दिखाई देंगे।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

कोको को हराकर अंतिम चार में पहुंची सबालेंका

एजेंसी ▸▸| रियाद

शीर्ष रैंकिंग वाली एरीना सबालेंका ने कोको गॉफ को 7-6, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के ग्रुप चरण में लगातार तीसरी जीत के साथ अमेरिका की इस प्रतिद्वंद्वी को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

सबालेंका की जीत का मतलब है कि वह बेलारूस की शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी जेसिका पेगुला के साथ अपने ग्रुप से सेमीफाइनल में पहुंच गईं।

पेगुला ने इससे पहले जैस्मीन पाओलिनी को 6-2, 6-3 से हराकर अपना रिकॉर्ड 2-1 (दो जीत और एक हार) कर लिया था। गत चैंपियन गॉफ का स्कोर 1-2 रहा, जबकि पाओलिनी का स्कोर 0-3 रहा।

वाणी ने जीता डब्ल्यूपीजीटी का खिताब

जयपुर। वाणी कपूर ने आखिरी तीन होल में तीन बर्डी लगाकर महिला प्रो गोल्फ टूर के 14वें चरण के तीसरे और अंतिम दौर में जैस्मीन शेखर की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए खिताब अपने नाम किया। वाणी ने लगातार तीसरे दिन दो अंडर 68 का कार्ड खेला, जिससे उनका कुल स्कोर छह अंडर का रहा। जैस्मीन ने भी तीसरे दौर में 68 कार्ड खेला लेकिन उनका ओवरऑल स्कोर पांच अंडर का रहा। मौजूदा सत्र की पांचवीं जीत के साथ वाणी ने हीरो ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर अपनी बढ़त बनाए रखी। स्नेहा सिंह (69) दो-अंडर 208 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं जबकि अमनदीप ड्राल (70) इवन पार 210 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

संस्कारधानी में भारत गोल्फ महोत्सव को मिल रहा जोरदार समर्थन

जबलपुर। मध्यप्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर एक ऐतिहासिक खेल आयोजन की मेजबानी करने जा रही है। 8 और 9 नवंबर को होने जा रहा भारत गोल्फ महोत्सव (**Bharat Golf Mahotsav**) शहर में उत्साह और गर्व का माहौल लेकर आया है। शहर के उद्योगपति, व्यापारी और आमजन इस आयोजन को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनका कहना है कि यह आयोजन जबलपुर को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा।

हांगकांग सिक्सेस : भारत ने पाकिस्तान को दी मात, रॉबिन और बिन्नी ने खेली धमाकेदार पारी

एजेंसी ▸▸| हांगकांग

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा और भरत चिपली की धमाकेदार पारियों के साथ स्टुअर्ट बिन्नी की किफायती गेंदबाजी की बदौलत भारत ने हांगकांग सिक्सेस के बारिश से प्रभावित पूल सी मैच में डकवर्थ लुईस पद्धति (डीएलएस) से पाकिस्तान को दो रनों से हरा दिया। उथप्पा ने 11 गेंदों पर 28 रनों की तेज पारी खेली जबकि चिपली ने 13 गेंदों पर 24 रन बनाए, जिससे भारत ने छह ओवर में 4 विकेट पर 86 रन बनाए। पाकिस्तान ने लक्ष्य का पीछा करने की अच्छी शुरुआत की और भारी बारिश के कारण खेल रुकने से पहले तीन ओवर में 1 विकेट पर 41 रन बना लिए थे। मैच रोके जाते समय पाकिस्तान डकवर्थ लुईस पद्धति के तहत भारत से दो रन पीछे था। भारत की जीत में स्टुअर्ट बिन्नी का किफायती गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने अपने ओवर में सिर्फ सात रन खर्च कर एक विकेट लेकर मैच में बड़ा प्रभाव डालने वाला प्रदर्शन किया।

ऑस्ट्रेलिया ने यूएई को 10 विकेट से हराया

ऑस्ट्रेलिया ने पूल बी मैच में यूएई को 10 विकेट से हराया। टीम ने जैक वुड (11 गेंद में 55 रन) और निक होबसन (पांच गेंद में नाबाद 26 रन) की पारियों से जीत के लिए मिले 88 रन के लक्ष्य को महज तीन ओवर में हासिल कर लिया।

चाइना चैंपियनशिप

दीक्षा और प्रणवी ने बनाई कट में जगह

शेनजेन। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर और प्रणवी उर्स ने दूसरे दौर के बाद अरामको चाइना चैंपियनशिप में कट में प्रवेश किया जबकि अवनि प्रशांत और त्वेसा मलिक अगले दौर में पहुंचने से चूक गईं। दीक्षा ने चार बर्डी और एक बोगी से तीन अंडर 70 का कार्ड खेला जबकि प्रणवी ने तीन अंडर 70 का कार्ड बनाया, जिसमें पांच बर्डी शामिल थीं। दीक्षा संयुक्त 35वें और प्रणवी संयुक्त 49वें स्थान पर रहीं। थाईलैंड की चिंगलाब ने 65 का कार्ड खेलकर 12 अंडर के कुल स्कोर से एकल बढ़त बनाए हैं। वहीं भारतीय गोल्फर अवनि और त्वेसा कट में जगह बनाने से चूक गईं।

द. अफ्रीका ने दूसरा मैच जीत कर श्रृंखला की 1-1 से बराबर

डी कॉक ने तोड़ा गिब्स का रिकॉर्ड, द.अफ्रीका ने पाक को 8 विकेट से हराया

एजेंसी ▸▸| फैसलाबाद

क्विंटन डी कॉक ने नाबाद 123 रन की शानदार पारी खेलकर हर्शल गिब्स का वनडे शतक रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिससे वह दक्षिण अफ्रीका के लिए तीसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उनकी उत्कृष्ट बल्लेबाजी ने प्रोटियाज को पाकिस्तान पर 8 विकेट से जीत दिलाने में मदद की और तीन मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर कर दिया। क्विंटन डी कॉक, जो अपनी चतुर तकनीक के लिए जाने जाते हैं, वनडे में दक्षिण अफ्रीका के लिए तीसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए, जब उनकी बल्लेबाजी की उत्कृष्ट कृति ने प्रोटियाज को दूसरे मैच में फैसलाबाद के इकबाल स्टेडियम में पाकिस्तान पर 8 विकेट से शानदार जीत दिलाई और श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। तेजतर्रार बाएं हाथ के बल्लेबाज ने नाबाद 123 (119) की पारी खेली, जो कि भाग्य से भरपूर थी, जिससे पाकिस्तान को दूसरे वनडे में 270 रनों के मामूली लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिली। एक और शानदार प्रदर्शन के साथ, डी कॉक के शतकों की संख्या 22 हो गई, जिससे उन्होंने हर्शल गिब्स के 21 वनडे शतकों को पीछे छोड़ दिया।

डी कॉक ने जड़ा 80 मीटर का छक्का

लक्ष्य का पीछा करते हुए, डी कॉक को एक अभूतपूर्व जीवनदान मिला जब उन्होंने गेंद को फ्लिक करने का प्रयास किया लेकिन गेंद सीधे मोहम्मद नवाज के पास पहुंच गई, जिन्होंने गेंद को दोनों हाथों से पकड़ लिया लेकिन गेंद को बाहर निकलने दिया। उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और सैम अयूब की गेंद पर 80 मीटर का छक्का जड़ दिया। अगले ओवर में, उन्होंने मोहम्मद वसीम जूनियर को एक और ऊंची 77 मीटर की छक्का जड़कर परेशान किया।

डी कॉक और जोरजी की 153 रनों की साझेदारी

लुआन-ड्रे प्रीटोरियस के 46(40) रन पर आउट होने के साथ 81 रनों की शुरुआती साझेदारी समाप्त होने के बाद, डी कॉक ने टोनी डी जोरजी के साथ 153 रनों की साझेदारी की, जो पाकिस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी थी। फहीम अशरफ के डीप मिड-विकेट पर मौका गंवाने के बाद टोनी डी जोरजी को भी जीवनदान मिला। अंततः वह सैम अयूब की गेंद पर अशरफ को कैच दे बैठे और 76(63) रन बनाकर पवेलियन लौटे। क्विंटन डी कॉक नाबाद रहे और उन्होंने 59 गेंद शेष रहते 270 रन का पीछा पूरा किया, कार्यवाहक कप्तान मैथ्यू ब्रीट्जके ने 21 गेंदों पर 17* रन बनाकर दूसरे छोर पर उनका साथ दिया।

सीतामढ़ी में पीएम मोदी का प्रहार:

-"कट्टा नहीं, कंप्यूटर चाहिए; रंगदार नहीं, डॉक्टर-इंजीनियर बनना है"

बेतिया । सीतामढ़ी की चुनावी सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने भाषण में विपक्षी दलों, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सिर्फ सत्ता का नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का चुनाव है। मोदी ने कहा, "यह चुनाव तय करेगा कि बिहार आगे बढ़ेगा या फिर पीछे जाएगा। बिहार को विकास की राह पर चलाना है या जंगलराज की तरफ लौटाना है।" प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत ही युवाओं से जुड़ी बातों से की। उन्होंने कहा, "आपने सुना होगा कि जंगलराज वालों के प्रचार गाने चल रहे हैं। उन गानों में छोटे बच्चे मंच पर आकर कह रहे हैं – हमें रंगदार बनना है! अब सोचिए, क्या बिहार के बच्चों का यही सपना होना चाहिए?" मोदी ने आगे कहा, "मैं पूछता हूं, क्या बिहार के बच्चे रंगदार बनें या डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, और उद्यमी बनें? बिहार को ऐसे नौजवान चाहिए जो 'हैंड्स अप' नहीं बल्कि 'स्टार्टअप' बोलें।" उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज भी आरजेडी के प्रचार में अपराध और दबंगई का महिमामंडन किया जा रहा है। "हम बच्चों के हाथ में लैपटॉप दे रहे हैं, और ये लोग बच्चों के हाथ में कट्टा और दुनाली दे रहे हैं। जहां कट्टा और क्रूरता का राज हो, वहां कानून दम तोड़ देता है। जहां भय और बंदूक की राजनीति हो, वहां समाज में सद्भाव कैसे रहेगा?" मोदी ने

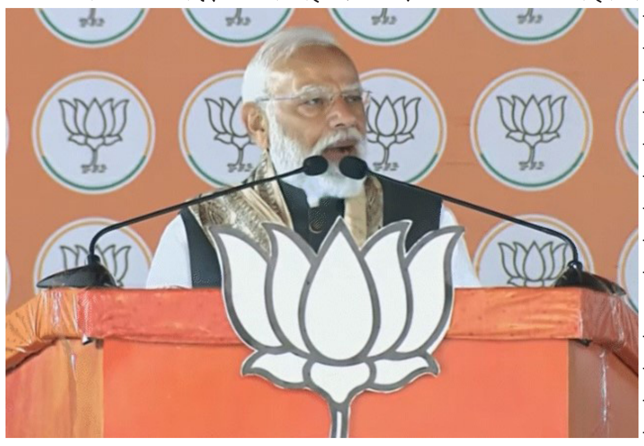

कहा कि विकसित भारत का सपना तब तक अधूरा है जब तक बिहार विकसित नहीं होता। उन्होंने कहा कि बिहार का पिछड़ापन किसी संसाधन की कमी से नहीं, बल्कि वर्षों के कुशासन और भ्रष्टाचार से है। "RJD और कांग्रेस ने कई वर्षों तक बिहार पर राज किया। उन्होंने जनता के साथ सिर्फ विश्वासघात किया, विकास के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार और जातिवाद का जाल फैलाया।" प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने बिहार में विकास की नई रफ्तार दी है। "आज बिहार में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, गांव-गांव बिजली पहुंच रही है, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। गरीबों के लिए 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत लाखों घर बने हैं। गरीब माताओं के घर में गैस का चूल्हा पहुंचा है। किसान सम्मान निधि से करोड़ों किसानों के खाते में सीधे पैसा पहुंच रहा है। ये सब उस सरकार के प्रयास हैं जो विकास में विश्वास रखती है, न कि हिंसा और कटुता में।" मोदी ने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा, "जहां कटुता बढ़ाने वाली पार्टियां हों, वहां समाज में भाईचारा कमजोर हो जाता है। जहां करप्शन हो, वहां सामाजिक न्याय नहीं मिल सकता। ये लोग हमेशा वोट बैंक की राजनीति करते हैं, विकास की नहीं। ऐसे लोग कभी भी बिहार का भला नहीं कर सकते।" उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि इस बार वोट ऐसा डालिए जो बिहार को आगे ले जाए, न कि फिर से अंधेरे में धकेल दे। "यह चुनाव तय करेगा कि बिहार के बच्चे कंप्यूटर के साथ भविष्य बनाएंगे या फिर कट्टा लेकर जेल की राह पकड़ेंगे। यह चुनाव तय करेगा कि बिहार में स्टार्टअप और डिजिटल इंडिया बढ़ेगा या फिर अपराध और भय की वापसी होगी।" मोदी ने अपने भाषण के अंत में युवाओं से आह्वान किया, "मेरे प्यारे नौजवानों, अब समय है अपने भविष्य को सुरक्षित करने का। आपके सपनों का बिहार तभी बनेगा जब यहां विकास की राजनीति चलेगी, जात-पात और गुंडागर्दी की नहीं। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश 'विकसित भारत' के सपने की ओर बढ़ रहा है और बिहार को भी उस यात्रा का मजबूत हिस्सा बनना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का संकल्प स्पष्ट है – "कट्टा नहीं, कंप्यूटर; हिंसा नहीं, हुनर; नफरत नहीं, नवाचार। हमें ऐसा बिहार चाहिए जो रोजगार दे, भागीदारी दे और आगे बढ़े।" सभा में मौजूद भीड़ ने बार-बार "मोदी-मोदी" के नारों से उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनसमर्थन साबित करता है कि बिहार अब जंगलराज नहीं, जनकल्याण की राह चुन चुका है। सीतामढ़ी की इस सभा में मोदी का संदेश साफ था – अब बिहार को फिर से हिंसा, कट्टा और कुशासन की ओर नहीं लौटना है। यह चुनाव बिहार के युवाओं, किसानों और गरीबों के सपनों का चुनाव है। प्रधानमंत्री का यह भाषण न केवल राजनीतिक हमला था, बल्कि एक संदेश भी था कि अगर बिहार को विकसित भारत की राह पर आगे बढ़ाना है तो उसे ऐसी सरकार चाहिए जो कट्टा नहीं, कलम को ताकत बनाए।

HAL–GE में ₹8,870 करोड़ की डील: भारत को 113 तेजस मार्क-1A इंजन मिलेंगे

-डिलीवरी 2027 से 2032 तक

नई दिल्ली । भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को और मज़बूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (GE) के साथ करीब 1 अरब डॉलर (₹8,870 करोड़) की डील पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत GE भारत को 113 जेट इंजन और उससे जुड़े सपोर्ट पैकेज उपलब्ध कराएगी। इन इंजनों का इस्तेमाल भारत में निर्मित तेजस मार्क-1A लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) में किया जाएगा। HAL ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक X (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर इस समझौते की जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह डील भारतीय वायुसेना के लिए बेहद अहम साबित होगी। GE के इंजन 97 तेजस मार्क-1A विमानों में लगाए जाएंगे, जबकि बाकी इंजन ट्रेनिंग, टेस्टिंग और रिज़र्व के तौर पर रखे जाएंगे। इन इंजनों की डिलीवरी 2027 से 2032 के बीच की जाएगी।

तेजस परियोजना की पृष्ठभूमि-
तेजस, भारत में स्वदेशी तकनीक से विकसित चौथी पीढ़ी का मल्टीरोल लड़ाकू विमान है, जिसे HAL ने एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (ADA) के सहयोग से तैयार किया है। इसका निर्माण "मेक इन इंडिया" पहल का एक प्रमुख प्रतीक माना जाता है। तेजस हल्का, फुर्तीला और अत्याधुनिक एवियोनिक्स से लैस है। यह हवाई मुकाबलों के साथ-साथ ग्राउंड अटैक मिशन में भी सक्षम है।

हालिया सरकारी अनुबंध-
केंद्र सरकार ने 25 सितंबर 2025 को HAL के साथ ₹62,370 करोड़ का एक बड़ा अनुबंध किया था। इसके तहत HAL भारतीय वायुसेना के लिए 97 LCA तेजस मार्क-1A विमान तैयार करेगी। इस अनुबंध का उद्देश्य पुराने मिग-21 जैसे लड़ाकू विमानों की जगह तेजस को शामिल करना है, जिससे वायुसेना की ऑपरेशनल क्षमता और आत्मनिर्भरता दोनों में इज़ाफा होगा।

GE इंजन की भूमिका-
जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के F404-GE-IN20 इंजन तेजस मार्क-1A को शक्तिशाली प्रदर्शन देने में मदद करेंगे। यह इंजन लगभग 85 किलो न्यूटन थ्रस्ट पैदा करता है और तेजस को 1.6 मैक (यानी ध्वनि की गति से 1.6 गुना) तक उड़ान भरने की क्षमता देता है। GE और HAL के बीच यह साझेदारी तकनीकी सहयोग और निर्माण प्रक्रिया में "ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी (ToT)" को भी बढ़ावा देगी।

अकोला दंगा मामला: सुप्रीम कोर्ट में मतभेद

-हिंदू-मुस्लिम अफसरों की SIT पर फैसला अब CJI के पास

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के अकोला दंगा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अहम फैसला सुनाया, लेकिन यह फैसला "स्प्लिट वर्डिक्ट" यानी मतभेद वाला रहा। दो जजों की पीठ इस बात पर सहमत नहीं हो सकी कि क्या विशेष जांच दल (SIT) में धार्मिक आधार पर अधिकारियों को शामिल करने का निर्देश सही था या नहीं।

मामला क्या है-
मई 2023 में महाराष्ट्र के अकोला में हुए सांप्रदायिक दंगों में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो पुलिसकर्मियों समेत आठ लोग घायल हुए थे। घटना के बाद स्थानीय अदालत ने जांच के लिए एक SIT (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) गठित की थी, जिसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के पुलिस अधिकारियों को शामिल करने का आदेश दिया गया था। अदालत का तर्क था कि इससे जांच में निष्पक्षता बनी रहेगी और किसी समुदाय को पक्षपात का आरोप लगाने का मौका नहीं मिलेगा।

राज्य सरकार की आपत्ति-
महाराष्ट्र सरकार ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि "पुलिस को धर्म के आधार पर बांटना संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना के खिलाफ है।" राज्य ने दलील दी कि किसी पुलिस अधिकारी की पहचान उसके धर्म से नहीं, बल्कि उसकी वर्दी और कर्तव्यनिष्ठा से होती है। इस तरह का आदेश न केवल पुलिस की पेशेवर छवि को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि समाज में धार्मिक विभाजन को भी बढ़ावा देता है।

सुप्रीम कोर्ट का मतभेद वाला फैसला-
मामले की सुनवाई जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की डबल बेंच ने की। दोनों जजों ने अपने-अपने अलग विचार रखे। जस्टिस संजय कुमार का मानना था कि निचली अदालत का आदेश निष्पक्षता के दृष्टिकोण से गलत नहीं है, क्योंकि दंगों जैसे संवेदनशील मामलों में दोनों समुदायों के प्रतिनिधित्व से पारदर्शिता बढ़ती है। वहीं जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि यह आदेश संविधान के धर्मनिरपेक्ष ढांचे के विपरीत है। उन्होंने कहा कि "कानून व्यवस्था के मामलों में धर्म के आधार पर वर्गीकरण करना अस्वीकार्य है।" दोनों के विचार अलग-अलग होने के कारण "स्प्लिट वर्डिक्ट" की स्थिति बन गई। अब यह मामला चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) बी.आर. गवई के पास भेजा जाएगा। वे तय करेंगे कि इस विवाद को किसी तीसरे जज के पास अंतिम निर्णय के लिए भेजा जाए या फिर बड़ी संविधान पीठ गठित की जाए।

मामला क्यों अहम है-
यह केस सिर्फ अकोला दंगे की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े संवैधानिक सवाल बहुत बड़े हैं। यह तय करेगा कि क्या किसी जांच टीम में धार्मिक प्रतिनिधित्व को अनिवार्य करना न्यायिक दृष्टि से सही है या यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों को कमजोर करता है।

अमेरिका ने वीज़ा नियम किए सख्त

-डायबिटीज़ और मोटापे से पीड़ित लोगों के लिए प्रवेश अब और मुश्किल

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका ने अब गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों के वीज़ा नियमों को और सख्त कर दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने दुनियाभर में मौजूद अपने दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को निर्देश दिया है कि वे ऐसे आवेदकों को वीज़ा देने में सावधानी बरतें जो किसी गंभीर बीमारी जैसे डायबिटीज़, मोटापा, कैंसर या अन्य दीर्घकालिक रोग से पीड़ित हैं। नई गाइडलाइन के अनुसार, वीज़ा अधिकारियों को अब हर आवेदक के स्वास्थ्य, उम्र और आर्थिक स्थिति (फाइनेंशियल स्टेटस) की बारीकी से जांच करनी होगी। यदि यह पाया जाता है कि कोई व्यक्ति अमेरिका जाकर वहां की सरकारी चिकित्सा या सामाजिक सहायता योजनाओं पर निर्भर हो सकता है, तो उसका वीज़ा आवेदन खारिज कर दिया जाएगा। यह नीति अमेरिका की पुरानी 'पब्लिक चार्ज' (Public Charge) नीति पर आधारित है। इसका उद्देश्य ऐसे लोगों के प्रवेश को रोकना है जो भविष्य में सरकार पर आर्थिक या चिकित्सा बोझ बन सकते हैं। इस नीति के तहत यह देखा जाता है कि कोई विदेशी नागरिक अपने खर्चे खुद उठा सकता है या नहीं, और क्या उसे अमेरिका में पहुंचने के बाद सरकारी फंड से सहायता की ज़रूरत पड़ेगी। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य देश की हेल्थकेयर सिस्टम पर बढ़ते बोझ को कम करना है। बीते कुछ वर्षों में डायबिटीज़ और मोटापे के मामलों में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव पड़ा है। अब यह जांचना अनिवार्य होगा कि आवेदक स्वस्थ है और अपनी मेडिकल ज़रूरतों का खर्च खुद उठा सकता है या नहीं। हालांकि इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। कई मानवाधिकार संगठनों ने इसे "भेदभावपूर्ण" बताया है और कहा है कि यह नियम गरीब देशों या सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं वाले लोगों के साथ अन्याय करेगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला – प्रॉपर्टी खरीदने-बेचने का सिस्टम 300 साल पुराना

-अब बदलाव की ज़रूरत

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने देश में ज़मीन और प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के मौजूदा सिस्टम पर गहरी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि भारत में संपत्ति खरीदने-बेचने का जो तंत्र आज भी चल रहा है, वह लगभग 300 साल पुराने कानूनों पर आधारित है। ये कानून ब्रिटिश राज के जमाने में बने थे और आज की ज़रूरतों के हिसाब से बिल्कुल अप्रासंगिक हो चुके हैं। अदालत ने टिप्पणी की कि इस पुराने सिस्टम की वजह से आम लोगों के लिए प्रॉपर्टी खरीदना किसी "सदमे" से कम नहीं रह गया है। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की दो जजों की बेंच ने कहा कि भारत में संपत्ति से जुड़े कानूनों ने स्वामित्व (ownership) और पंजीकरण (registration) के बीच एक बड़ी असमानता पैदा कर दी है। इस असमानता के कारण ही जमीन-जायदाद को लेकर देश में लाखों मुकदमे चल रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि संपत्ति विवाद, धोखाधड़ी और दोहरी रजिस्ट्री जैसी समस्याएं इसी पुराने ढांचे की देन हैं।

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का सुझाव-
सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया कि भूमि और संपत्ति के रिकॉर्ड को आधुनिक बनाने के लिए ब्लॉकचेन (Blockchain) तकनीक का उपयोग करने पर गंभीरता से विचार किया जाए। यह तकनीक पारदर्शिता, डेटा सुरक्षा और रिकॉर्ड की स्थायित्व सुनिश्चित कर सकती है। अगर संपत्ति से जुड़े सभी दस्तावेज़ और स्वामित्व रिकॉर्ड ब्लॉकचेन पर रखे जाएं, तो किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या फर्जीवाड़े की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी।

विधि आयोग को सौंपी जिम्मेदारी-
कोर्ट ने विधि आयोग (Law Commission) को इस विषय पर विस्तृत अध्ययन करने का निर्देश दिया है। आयोग को केंद्र और राज्य सरकारों, तकनीकी विशेषज्ञों, कानूनी जानकारों तथा अन्य हितधारकों से राय लेकर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करनी होगी। इसमें यह सुझाव देना होगा कि भारत में प्रॉपर्टी रजिस्ट्री और स्वामित्व प्रणाली को आधुनिक जरूरतों के अनुसार कैसे सुधारा जा सकता है।

ब्रिटिश राज की विरासत बने पुराने कानून-
कोर्ट ने कहा कि भूमि रजिस्ट्री से जुड़े कई कानून ब्रिटिश शासनकाल में बने थे। उस दौर में इनका उद्देश्य जनता की सुविधा नहीं, बल्कि राजस्व संग्रह और नियंत्रण था। स्वतंत्र भारत में इन कानूनों में केवल मामूली संशोधन किए गए, जबकि जनसंख्या, शहरीकरण और तकनीकी विकास ने भूमि प्रबंधन को बिल्कुल नई दिशा में पहुँचा दिया है। अब यह ज़रूरी है कि इन पुराने नियमों को पूरी तरह पुनर्गठित किया जाए।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच तीसरे दौर की शांति वार्ता नाकाम, तनाव बढ़ा

इस्लामाबाद/काबुल (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी तनाव को खत्म करने के मकसद से आयोजित तीसरे दौर की पीस टॉक (शांति वार्ता) शनिवार को बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गई। यह बैठक क़तर और तुर्किये की मध्यस्थता में इस्तांबुल में दो दिनों तक चली, लेकिन दोनों देशों ने एक-दूसरे को असफलता के लिए जिम्मेदार ठहराया। अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान पर गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस्लामाबाद ने वार्ता में कोई ठोस या व्यावहारिक प्रस्ताव नहीं रखा। उन्होंने कहा, "हमें उम्मीद थी कि पाकिस्तान व्यवहारिक और लागू करने योग्य सुझाव रखेगा, ताकि सीमा विवाद और सुरक्षा मुद्दों का समाधान निकल सके। पाकिस्तानी लोग हमारे भाई हैं, लेकिन अगर किसी तरह का हमला हुआ तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।" अफगान प्रवक्ता के इस बयान से दोनों देशों के बीच बढ़ते अविश्वास की झलक मिलती है। वहीं पाकिस्तान सरकार ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि, शुक्रवार को इस्लामाबाद की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि "बातचीत में मतभेद बढ़ गए हैं और कोई प्रगति नहीं हुई है।" गौरतलब है कि बीते कुछ महीनों से अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर गोलीबारी और आतंकी गतिविधियों में इज़ाफ़ा हुआ है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगान सीमा से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के आतंकवादी उसके सैनिकों पर हमले कर रहे हैं, जबकि काबुल इन आरोपों को बेबुनियाद बताता है। वार्ता के तीसरे दौर की नाकामी से यह साफ है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच अविश्वास और सुरक्षा चिंताएं अब भी गहरी हैं। अब उम्मीद तुर्किये और क़तर पर टिकी है कि वे किसी नए फॉर्मेट में बातचीत को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेंगे।

तुर्किये ने इजराइली PM नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया

-गाजा में नरसंहार का आरोप

तेल अवीव (एजेंसी)। तुर्किये ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी सरकार के कई शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ गाजा में नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। तुर्किये के अभियोक्ता कार्यालय ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया कि कुल 37 इजराइली अधिकारियों को संदिग्ध सूची में रखा गया है। इनमें रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर, और सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर के नाम प्रमुख हैं। बयान में कहा गया है कि यदि इनमें से कोई भी व्यक्ति तुर्किये की सीमा में प्रवेश करता है, तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। तुर्किये का आरोप है कि इजराइली नेतृत्व ने गाजा में नागरिक आबादी पर जानबूझकर हमले किए, अस्पतालों और राहत केंद्रों को निशाना बनाया, और यह सब एक "व्यवस्थित नरसंहार नीति" के तहत किया गया। तुर्की अभियोजन पक्ष ने विशेष रूप से 'तुर्की-फिलिस्तीनी मैत्री अस्पताल' का ज़िक्र किया, जिसे इजराइल ने मार्च में बमबारी कर नष्ट कर दिया था। यह अस्पताल गाजा के नागरिकों के लिए तुर्किये की मदद से बनाया गया था। दूसरी ओर, इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने तुर्की के इस कदम को "तानाशाह एर्दोआन का प्रचार स्टंट" बताते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया। उनका कहना है कि तुर्किये अपने घरेलू राजनीतिक फायदे के लिए इस तरह के कदम उठा रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल तुर्किये ने दक्षिण अफ्रीका के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) में भी इजराइल पर नरसंहार का मुकदमा दर्ज कराया था।

वोटर लिस्ट रिवीजन पर देशव्यापी विवाद

-बंगाल में 3 करोड़ से ज्यादा SIR फॉर्म बंटे, सुप्रीम कोर्ट 11 नवंबर से करेगा सुनवाई

नई दिल्ली । देश में मतदाता सूची (वोटर लिस्ट) के विशेष पुनरीक्षण यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की प्रक्रिया 4 नवंबर से शुरू हो चुकी है। यह प्रक्रिया चुनाव आयोग द्वारा हर साल मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए की जाती है, ताकि नए मतदाताओं के नाम जोड़े जा सकें और मृत या डुप्लीकेट नाम हटाए जा सकें। इस बार SIR को लेकर देशभर में विवाद बढ़ गया है — खासकर पश्चिम बंगाल, बिहार और तमिलनाडु जैसे राज्यों में।

बंगाल में विरोध के बीच रिकॉर्ड वितरण-
पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों के विरोध और आशंकाओं के बावजूद बूथ लेवल अधिकारियों (BLOs) ने अब तक 3.04 करोड़ से अधिक SIR फॉर्म घर-घर जाकर वितरित कर दिए हैं। यह फॉर्म मतदाता सूची के संशोधन के लिए जरूरी हैं, जिनके जरिए लोग अपने नाम जोड़ने, हटाने या सुधार कराने का आवेदन करते हैं। राज्य में विपक्षी दलों, विशेष रूप से तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दलों ने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया को "राजनीतिक रूप से प्रेरित" तरीके से किया जा रहा है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर बदलाव कर "नए मतदाता समूह" तैयार करना चाहते हैं।

एन्क्लेव इलाकों में महिलाओं के नाम गायब होने की चिंता-
सबसे गंभीर आशंका कूचबिहार जिले के पूर्व एन्क्लेव इलाकों में देखने को मिल रही है। यहां स्थानीय संगठनों ने जिला प्रशासन को लगभग 450 महिलाओं के नामों की सूची सौंपी है जिनका नाम पहले से मतदाता सूची में था, लेकिन उन्हें डर है कि इस बार के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में उनके नाम गायब हो सकते हैं। इन महिलाओं में ज्यादातर वे हैं जो भारत-बांग्लादेश सीमा समझौते के बाद नागरिक बनी थीं। 2015 में हुए एन्क्लेव एक्सचेंज के तहत इन्हें भारतीय नागरिकता मिली थी, लेकिन अब उन्हें अपने मताधिकार खोने का डर सता रहा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि कई BLOs ने इन महिलाओं से बार-बार पहचान के दस्तावेज मांगे हैं, जबकि वे पहले से ही मतदाता पहचान पत्र रखती हैं।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होगी-
चुनाव आयोग की अधिसूचना के अनुसार, SIR प्रक्रिया के तहत भरे गए फॉर्म की जांच पूरी होने के बाद 9 दिसंबर 2025 को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद मतदाता सूची पर आपत्तियां और सुझाव दर्ज कराए जा सकेंगे। अंतिम मतदाता सूची 5 जनवरी 2026 को जारी की जाएगी। हालांकि, बंगाल के कुछ जिलों में विपक्षी दलों और नागरिक संगठनों ने मांग की है कि ड्राफ्ट पब्लिकेशन की तारीख तब तक टाली जाए जब तक यह सुनिश्चित न हो जाए कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम गलती से न छूटे।

सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार की याचिका-
इस बीच, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा है कि देशभर में SIR की प्रक्रिया "संवैधानिक रूप से संदिग्ध" है क्योंकि इसे बिना राज्यों से परामर्श किए लागू किया गया है। चीफ जस्टिस बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली बेंच 11 नवंबर से इस मामले की सुनवाई शुरू करेगी। तमिलनाडु सरकार का कहना है कि यह प्रक्रिया नागरिकता और मताधिकार से जुड़े मामलों में भ्रम पैदा कर सकती है और नागरिकों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,